वर्ष : 04 अंक : 263

गाजियाबाद, गुरुवार 12 फरवरी 2026

पृष्ठ-6 मूल्य : दो रूपये

RNI No - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

विश्व एक महान पुस्तक है जिसमें वे लोग केवल एक ही पृष्ठ पढ़ पाते हैं जो कभी घर से बाहर नहीं निकलते

नई दिल्ली, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

योगी सरकार ने पेश किया 9.13 लाख करोड़ का बजट

प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बुधवार को विधानसभा में योगी सरकार का वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया। 'नव निर्माण के नौ वर्ष' की थीम पर प्रस्तुत बजट 2026-27 का कुल आकार 9,12,696.35 करोड़ रुपये है, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 की तुलना में लगभग 12.9 प्रतिशत अधिक है। आकार के लिहाज से योगी सरकार ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत किया है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन को बताया कि यह बजट राज्य की बढ़ती आर्थिक क्षमता, निवेश के अनुकूल माहौल और सुदृढ़ राजकोषीय प्रबंधन का परिणाम है। यह बजट न केवल राज्य की आर्थिक मजबूती को दशार्ता है, बल्कि दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सतत विकास की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है। बजट 2026-27 सरकार की उस सोच को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें विकास, वित्तीय अनुशासन और भविष्य की तैयारी तीनों को समान महत्व दिया गया है। इस बजट में अन्नदाता किसान, युवा, महिला, छात्र-छात्राओं समेत हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि बजट में 19.5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है, जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी-ग्रामीण अधोसंरचना को नई गति देगा। पूंजीगत निवेश से रोजगार सृजन होगा और आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। योगी सरकार ने सामाजिक क्षेत्रों को बजट में प्रमुख स्थान दिया है। इसके अंतर्गत शिक्षा के लिए कुल बजट का 12.4 प्रतिशत, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के लिए 6 प्रतिशत और कृषि एवं सम्बद्ध सेवाओं के लिए 9 प्रतिशत का आवंटन किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार मानव संसाधन विकास और किसानों की आय बढ़ाने को विकास की धुरी मानकर चल रही है। बजट में विशेष रूप से कृषि विभाग के अंतर्गत डीजल पंप सेट को सोलर पंप में परिवर्तित करने की महत्वाकांक्षी योजना के लिए 637.84 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों की डीजल पर निर्भरता कम होगी, लागत घटेगी और स्वच्छ ऊर्जा.. **विस्तृत खबर पेज-6 पर...**

स्कूल से सिनेमा घर तक गूंजेगा वंदे मातरम

गृह मंत्रालय ने जारी किया नया नेशनल प्रोटोकॉल

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को वंदे मातरम के संबंध में नए दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें कहा गया है कि सभी सरकारी कार्यक्रमों और स्कूलों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम गाया जाना चाहिए और इसके बजने के दौरान सभी को सावधान मुद्रा में खड़ा होना चाहिए। वंदे मातरम भारत का राष्ट्रगीत है, जिसे बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1870 के दशक में लिखा था और 1950 में अपनाया गया था। अब पद्म पुरस्कार जैसे नागरिक पुरस्कार समारोहों और राष्ट्रपति की उपस्थिति में आयोजित होने वाले सभी अन्य कार्यक्रमों में उनके आगमन और प्रस्थान के दौरान राष्ट्रगीत बजाना अनिवार्य होगा।

सिनेमा हॉल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर भी राष्ट्रगीत बजाया जाएगा, हालांकि इस दौरान खड़े होना अनिवार्य नहीं है। और इसके सभी छह श्लोक बजाए जाएंगे, जिनमें वे चार श्लोक भी शामिल हैं जिन्हें कांग्रेस ने 1937 में हटा दिया था। पहले, जन गण मन राष्ट्रगान की तरह वंदे मातरम के लिए कोई स्पष्ट राष्ट्रीय प्रोटोकॉल परिभाषित नहीं था। इस निर्णय का उद्देश्य राष्ट्रगीत के सम्मानपूर्वक पालन को औपचारिक रूप देना और आधिकारिक समारोहों, विद्यालयों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में एकरूपता सुनिश्चित करना है। यह कदम संसद में राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व पर हुई बहसों के बाद राष्ट्रीय प्रतीकों को लोकप्रिय बनाने और उन पर जोर देने के निरंतर प्रयासों को भी दशार्ता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाले समारोह का शुभारंभ किया है और यह मुद्दा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सत्ताधारी सरकार और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच विवाद का मुख्य कारण भी बन गया था। इस निर्देश और उन चार श्लोकों को शामिल करने से विवाद खड़ा होने की संभावना है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले साल इस मुद्दे पर सत्ताधारी भाजपा और कांग्रेस के बीच जबरदस्त लड़ाई हुई थी।

यह घटना तब हुई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पूर्ववर्ती जवाहरलाल नेहरू पर मुहम्मद अली जिन्ना का अनुसरण करते हुए इस गीत का विरोध करने का आरोप लगाया क्योंकि इससे मुसलमानों को ठेस पहुंच सकती थी। इसके बाद भाजपा ने अपने दावे के समर्थन में नेहरू के पत्र साझा किए और गीत की रचना की 150वीं वर्षगांठ पर संसद में हुई 'बहस' के बाद यह विवाद कटुतापूर्ण हो गया।

बीएमसी पर बीजेपी का कब्जा, रितु तावड़े बनीं मेयर

ठाकरे परिवार का 25 साल पुराना किला ध्वस्त

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

मुम्बई। भाजपा पार्षद रितु तावड़े बृहन्मुंबई नगर निगम की निर्विरोध महापौर चुनी गई हैं। पिछले चार दशकों में यह पहली बार है जब भाजपा इस पद पर पहुंची है। शिवसेना की नगर निगम परिषद (UBT) द्वारा उम्मीदवार न उतारने के फैसले के बाद चुनाव निर्विरोध हो गया, जिससे मुंबई के सबसे धनी नगर निकाय पर ठाकरे परिवार का 25 साल का वर्चस्व समाप्त हो गया। शिवसेना नेता संजय घड़ी उप महापौर चुने गए हैं।

घाटकोपर पश्चिम से तीन बार की पार्षद, 53 वर्षीय तावड़े को जमीनी राजनीति, नगर प्रशासन और जन कल्याण में एक दशक से अधिक का अनुभव है। भाजपा के वरिष्ठ नेता उन्हें सक्रिय नेता और समुदाय से मजबूत

जुड़ाव रखने वाली नेता बताते हैं, जिन्होंने प्रशासनिक क्षमता और स्थानीय लोगों से घनिष्ठ संबंध के संयोजन के लिए ख्याति अर्जित की है। तावड़े मुंबई की नगर निगम राजनीति में एक प्रमुख हस्ती मानी जाती हैं। उन्होंने 2012 में वार्ड 127 से पार्षद चुने जाने के बाद पहली बार बृहन्मुंबई नगर निगम में प्रवेश किया।

2017 में वे घाटकोपर के वार्ड 121 से पुनः निर्वाचित हुईं। 15 जनवरी को हुए नगर निगम चुनावों में तावडे ने वार्ड 132 से जीत हासिल की, जिससे देश के सबसे धनी नगर निगम में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। पार्षद के रूप में अपनी भूमिका के अलावा, तावडे मुंबई नगर निगम की शिक्षा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। 227 सदस्यीय नगर निकाय के चुनावों में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं। 118 पार्षदों की संयुक्त संख्या के साथ, भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने महापौर का पद आसानी से हासिल कर लिया। शिवसेना यूबीटी, जिसने 1997 से 25 वर्षों तक नगर निकाय पर शासन किया था, ने 65 सीटें जीतीं। उसके सहयोगी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने क्रमशः 6 और 1 सीट हासिल की।

रिजिजू का राहुल गांधी पर तंज

संसद में बच्चों जैसा व्यवहार करना ठीक नहीं

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की आत्मकथा को लेकर चल रहे विवाद के बीच जमकर निशाना साधा और उनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को 'राजनीतिक हथियार' के रूप में इस्तेमाल न करने को कहा। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए रिजिजू ने उनसे बच्चों जैसा व्यवहार न करने को कहा। संसद के बाहर पत्रकारों से

बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं राहुल गांधी को सबक नहीं सिखा सकता। मुझे समझ नहीं आता कि वे किस दुनिया में रहते हैं। कौन सी विचारधारा उनके कार्यों को प्रेरित करती है?

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किसानों के लिए तूफान लाने वाला: राहुल गांधी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि उन्होंने अमेरिका की शर्त मानकर किसानों को तूफान में झोंकने और देश को बेचने का काम किया है। श्री गांधी ने बजट 2026-27 पर चर्चा में सरकार पर हमला करते हुए बुधवार को कहा कि अमेरिका के साथ जिस प्रकार का समझौता किया गया है इस प्रकार का समझौता कभी किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया और आगे भी कोई प्रधानमंत्री नहीं करेगा। इस समझौते में पूरी तरह आत्मसमर्पण कर

दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते में हमारे प्रति अमेरिका की कोई प्रतिबद्धता नहीं है और ऐसे लगता है कि हमें मूर्ख बनाया गया है। भारतीय सामान पर पहले शुल्क तीन प्रतिशत लगता था जिसे अब अठारह प्रतिशत कर दिया गया है जबकि अमेरिकी आयात पर शुल्क सोलह प्रतिशत था उसे शून्य कर दिया गया है। इससे तो हमारे वस्त्र उद्योग पूरी तरह खत्म हो जायेंगे क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप ने बंगलादेश से अमेरिकी आयात पर शुल्क शून्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत हैरान करने वाली बात है कि अब अमेरिका तय करेगा कि हम कहां से तेल खरीदेंगे और इस पर वह निगरानी भी रखेगा। भारत के इतिहास में पहली बार किसान एक तूफान का सामना कर रहे है। अमेरिका के कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोल दिया है जो बहुत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार ने भारत को बेच दिया है।

हमारी भारत माता को बेच दिया गया। इसमें सबसे रोचक बात है कि प्रधानमंत्री सामान्य परिस्थितियों में यह समझौता नहीं कर सकते थे और इसके पीछे असली कारण कुछ और है। उन्होंने कहा कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार होती और वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात करते तो पहली यह बात करते कि भारतीय डाटा सबसे महत्वपूर्ण है।

गठबंधन रहेगा, पर मंत्री पद नहीं! एमके स्टालिन ने कांग्रेस के लिए तमिलनाडु में खींची 'रेड लाइन'

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए, क्योंकि राज्य में इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में बोलते हुए, स्टालिन ने कांग्रेस जैसे डीएमके के सहयोगियों के साथ किसी भी प्रकार के साझा शासन मॉडल को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया।

हाल ही में कांग्रेस के भीतर से कुछ नेताओं ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की मांग उठाई थी। स्टालिन ने जोर देकर कहा कि सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं होगी। स्टालिन ने कहा कि शासन में हिस्सेदारी की मांग तमिलनाडु पर लागू नहीं होती। वे इसे हमसे बेहतर

जानते हैं। यह नारा उन लोगों की सोची-समझी साजिश है जो हमें एकजुट नहीं देख सकते। हालांकि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि राज्य में चुनाव होने पर कांग्रेस सहयोगी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निश्चित रूप से डीएमके गठबंधन में बनी रहेगी। हमारा गठबंधन सौहार्दपूर्ण है।

मीडिया जानबूझकर कुछ अनावश्यक धारणाएं बना रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अपने संबंधों को दोनों पार्टियों के बीच निरंतर गठबंधन का एक महत्वपूर्ण तत्व बताया।

उत्तर प्रदेश में हड़कंप! पेट के कीड़े मारने की दवा बनी आफत

फरुर्खाबाद और मैनपुरी में 100 से ज्यादा बच्चे अस्पताल में भर्ती

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद और मैनपुरी जिलों में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर आयोजित एक अभियान के दौरान बड़ा हादसा सामने आया है। सरकारी स्कूलों में पेट के कीड़े मारने वाली दवा (एल्बेंडाजोल) खाने के बाद 100 से अधिक बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। हालांकि, प्रशासन का दावा है कि स्थिति अब नियंत्रण में है और सभी बच्चों की हालत स्थिर है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कमालगंज विकास खंड के राठौरा मोहद्दीनपुर गांव में जवाहर लाल प्रेमा देवी विद्यालय में लगभग 150 बच्चों को पेट के कीड़े मारने वाली 'एल्बेंडाजोल' गोली खिलायी गयी थी

और दवा खाते ही लगभग 100 विद्यार्थी बीमार हो गये। अधिकारियों ने बताया कि 33 विद्यार्थियों को कमालगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जबकि 67 बच्चों को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी लोहिया अस्पताल पंहुचे और बच्चों का हाल जाना। सभी बच्चों की हालत स्थिर बतायी जा रही है। जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवनींद्र कुमार ने बताया कि सभी विद्यालयों में दवा खिलायी गयी थी लेकिन सिर्फ इस स्कूल में बच्चों को सिर दर्द और उल्टी की शिकायत हुई हालांकि अब सभी की हालत ठीक है। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया की अब सब बच्चे ठीक हैं औरतबियत खराब होने का अन्य कोई कारण हो सकता है। वहीं मैनपुरी के नगला कीरतपुर में एक सरकारी कम्पोजिट स्कूल में पेट के कीड़े मारने की दवा खाने के बाद करीब दो दर्जन छात्र बीमार हो गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. सी. गुप्ता ने बताया कि बच्चों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद ज्यादातर विद्यार्थियों को छुट्टी दे दी गई। गुप्ता ने संवाददाताओं को बताया कि यह घटना राष्ट्रीय कृमि नाशक दिवस पर हुई, जो हर साल 10 फरवरी और 10 अगस्त को मनाया जाता है। इस दौरान दो से 19 साल के बच्चों व युवाओं को पेट के कीड़े मारने की दवा दी जाती हैं।

उन्होंने बताया कि पेट दर्द की शिकायत करने वाले दो बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने बताया, 'ज्यादातर बच्चे ठीक हैं। यह लापरवाही का मामला नहीं लगता।' उन्होंने बताया कि करीब दो दर्जन विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की गई। समाजवादी पार्टी ने घटना को लेकर 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि मैनपुरी और फरुर्खाबाद में बच्चों के बीमार पड़ने की घटनाएं राज्य में 'मेडिकल इमरजेंसी' की स्थिति को दिखाती हैं।

क्या है राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस?

यह अभियान हर साल 10 फरवरी और 10 अगस्त को पूरे देश में चलाया जाता है। इसका उद्देश्य 2 से 19 साल के बच्चों और युवाओं को पेट के कीड़ों से मुक्त करना है ताकि उनके पोषण और शारीरिक विकास में बाधा न आए।

योगी सरकार का बजट विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का मजबूत आधार: मंत्री नरेंद्र कश्यप

- पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए 3,402 करोड़, दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु 2,140 करोड़ का प्रावधान

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा प्रस्तुत 9,12,696.35 करोड़ रुपये का बजट 2026-27 विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के विराट संकल्प को साकार करने का सशक्त रोडमैप है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार का यह बजट प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों को

समर्पित है, जो उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है और उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मंत्री कश्यप ने बताया कि योगी सरकार ने पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं के लिए 3,402 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की है, जो वर्ष 2025-26 की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना हेतु 3,060 करोड़ 50 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन परिवारों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना के लिए 210 करोड़ रुपये तथा छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास निर्माण योजना के अंतर्गत 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजनाओं के लिए 2,140 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो वर्ष 2025-26 की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक है। दिव्यांग पेंशन योजना के अंतर्गत लगभग 11 लाख से अधिक दिव्यांगजन को 1000 रुपये प्रतिमाह की दर से पेंशन दी जा रही है।

मण्डलायुक्त ने किया कलेक्ट्रेट का निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

सभी आवश्यक कार्यों का रजिस्टर बनाएं, अभिलेख प्रतिदिन अद्यतन किया जाएः मण्डलायुक्त भानू चंद्र गोस्वामी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। मेरठ मण्डलायुक्त श्री भानू चंद्र गोस्वामी आई0ए0एस0 द्वारा कलेक्ट्रेट का निरीक्षण किया गया। कलेक्ट्रेट में आगमन पर मण्डलायुक्त महोदय को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी महोदय व मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। मण्डलायुक्त महोदय ने महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में सभी अधिकारियों को अपने कार्यों में सुधारात्मक बदलाव लाने सहित आवश्यक दिशा–निर्देश दिए, तदोपरांत कलेक्ट्रेट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त महोदय द्वारा राजस्व लेखा विभाग, रिकार्ड रूम (फाईल्स/भूमि), भूलेख, संयुक्त कार्यालय, आर्मस सहित अन्य विभागों की फाईलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मण्डलायुक्त महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि आपके कार्यालय में जो भी कार्य होता है जिसका रिकार्ड रखना अनिवार्य है, का डाटा/रिकार्ड रजिस्टर/कम्प्यूटर में सुरक्षित रखा जाएं। रजिस्टर का अभिलेख प्रतिदिन अद्यतन किया जाना चाहिए। उन्होने कहा कि आपके पास कोई भी आवेदन/शिकायत आती है तो वह कब प्राप्त हुई, आपने कब क्या कार्यवाही की, अभी वह किसके पास लम्बित है, कब से लम्बित है, आपके द्वारा क्या किया गया, उक्त का जवाब आपके पास कब आया और आपके द्वारा उसका कब व क्या निस्तारण किया गया, का पूरा उल्लेख रजिस्टर में करना अनिवार्य है। उन्होने कहा कि अधिकारियों/कर्मचारियों के स्थानातंरण होते रहते हैं, यदि वह अपने पदभार की जानकारी रजिस्टरों में नहीं लिखेंगे तो उस पदभार को ग्रहण करने वाला व्यक्ति कैसे वह कार्य कर सकेगा, इसके लिए जरूरी है कि वे सभी कार्यों का उल्लेख रजिस्टर में रखें, जिससे कार्य में पारदर्शिता बनी रहें। मण्डलायुक्त महोदय ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने पटल के कार्यों का स्वयं निरंतर निरीक्षण व जांच करें कि उनके कर्मचारियों द्वारा सभी कार्यों को नियमानुसार किया जा रहा है या नहीं, उनके द्वारा रजिस्टर मेनटेन, रिकार्ड व सम्बंधित प्रपत्र सुरक्षित रखे जा रहे है या नहीं। यदि कोई कर्मचारी या अधिकारी निर्देर्शों का पालन व समझाने के बावजूद भी अपने दायित्वों के प्रति असंवेदनशील, लापरवाह या बेफिक्र है तो उसकी जवाबदेही तय करते हुए उस पर कार्यवाही की जाएं। उन्होने कहा कि प्रत्येक अधिकारी को उसके पटल के सभी कार्यों की जानकारी होनी चाहिए, इस बात का ध्यान रखा जाएं। कलेक्ट्रेट परिसर में साफ–सफाई व रिकार्ड सही रखे जाने पर सम्बंधित अधिकारियों की सराहना भी की गयी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़, मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल, एडीएम एफ/आर श्री सौरभ भट्ट, एडीएम सिटी श्री विकास कश्यप, एडीएम एल/ए श्री अवनीश कुमार, एडीएम ई ज्योति मौर्य, एडीएम जे0 अंजूम बी0, सिटी मजिस्ट्रेट डा.सन्तोष कुमार उपाध्याय सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अर्घ्य श्रीवास्तव ने सिल्वर और ब्रॉन्ज एवं अविद्या सिंहदेव ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। कोलकाता में आयोजित स्कूल नेशनल गेम्स में गौतमबुद्ध नगर के ज्ञानश्री स्कूल के छात्र अर्घ्य श्रीवास्तव ने एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज एवं अविद्या सिंहदेव ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। यह प्रथम अवसर है कि स्कूल नेशनल गेम में गौतम बुद्ध के किसी स्कूल के छात्रों ने व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में मेडल प्राप्त किया हैं। इस प्रतियोगिता में ज्ञानश्री स्कूल की तरफ से अविद्या सिंहदेव, सिद्धि भरद्वाज, अर्घ्य श्रीवास्तव एवं अग्रिम श्रीवास्तव ने क्वालीफाई किया था। ये सभी क्लास 8 के छात्र सेक्टर 141 स्थित विजयश्री स्पोर्ट्स एकेडमी में जिम्नास्टिक की प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और स्कूल भी इनके प्रशिक्षण हेतु पर्याप्त सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

राजनगर एक्सटेंशन में आधारभूत संरचना विकास को गति, सड़क, नाला एवं सीवर निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

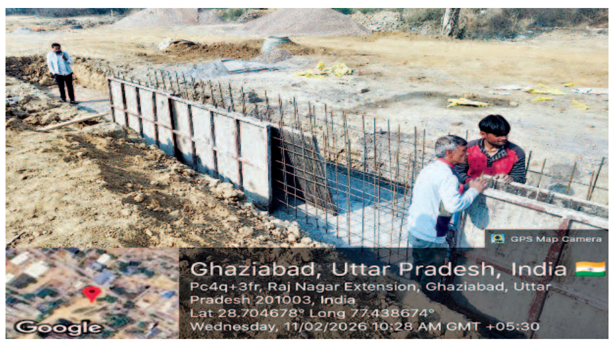

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में सुनियोजित एवं व्यवस्थित शहरी विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न आधारभूत संरचना संबंधी कार्य तीव्र गति से कराए जा रहे हैं। क्षेत्र में सड़क, नाला एवं सीवर लाइन के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा एवं सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था उपलब्ध हो सके। दिनांक 11.02.2026 तक की प्रगति के अनुसार, खसरा संख्या 96 एवं 97, नंदग्राम स्थित नवसृजित भूखण्डों के विकास कार्य के अंतर्गत भूखण्डों के समक्ष नाला निर्माण कराया जा रहा है। इस कार्य के पूर्ण होने से वर्षा जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा तथा क्षेत्र में जलभराव की स्थिति समाप्त होगी। इसी क्रम में नूरनगर क्षेत्र में 24 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस मार्ग पर नाला एवं सीवर लाइन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा वर्तमान में मिट्टी भराई का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। सड़क निर्माण पूर्ण होने के उपरांत क्षेत्रवासियों को सुगम एवं व्यवस्थित यातायात सुविधा प्राप्त होगी। सिकरोड़ के निकट 45 मीटर चौड़ी प्रस्तावित सड़क के निर्माण कार्य के अंतर्गत 500 मीटर लंबाई में सीवर लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही मेनहोल एवं नाला निर्माण का कार्य प्रगति पर है। यह मार्ग भविष्य में क्षेत्र की प्रमुख संपर्क सड़क के रूप में विकसित होगा, जिससे यातायात दबाव में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त, भट्टा नंबर-5 तक 30 मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण के साथ-साथ अविवादित भूमि पर नाला निर्माण का कार्य निरंतर प्रगति पर है। यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा आसपास के क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। नूरनगर में 18 मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण कार्य के अंतर्गत नाला निर्माण एवं सड़क पर मिट्टी भराई का कार्य निरंतर जारी है। इन कार्यों के पूर्ण होने से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी। वहीं, श्रीराम हाईट्स के समक्ष 380 मीटर लंबाई में 45 मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ दिनांक 10.02.2026 को किया गया है। वर्तमान में मिट्टी भराई एवं नाला निर्माण हेतु खुदाई का कार्य प्रगति पर है। यह मार्ग राजनगर एक्सटेंशन की आंतरिक संपर्क व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा इन सभी कार्यों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है तथा अधिकारियों द्वारा स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जा रही है। प्राधिकरण का उद्देश्य है कि राजनगर एक्सटेंशन को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित शहरी क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए, जहाँ नागरिकों को उच्चस्तरीय आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध हों।

दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में जितेंद्र गुर्जर की सक्रिय सहभागिता, अहम विषयों पर हुयी चर्चा

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

नई दिल्ली। फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) द्वारा आयोजित 8वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस का दो दिवसीय आयोजन दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से शारीरिक शिक्षा एवं खेल क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मेलन में जितेंद्र गुर्जर ने सक्रिय सहभागिता की और खेल एवं शारीरिक शिक्षा से जुड़े विभिन्न सत्रों में भाग लेते हुए स्पोर्ट्स साइंस से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। सम्मेलन का मुख्य विषय वैश्विक सुर्खिया, ओलिंपिक्स 2036 के लिए भारत का परिवर्तनकारी विजन रहा। सम्मेलन के दौरान खिलाड़ियों की चोट से बचाव, वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रणाली, तथा भारतीय खेलों में मौजूद कमियों को दूर करने जैसे अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। जितेंद्र गुर्जर ने बताया कि इस प्रकार के राष्ट्रीय मंच खेल प्रशिक्षकों एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधन दिया। संस्था के जनरल सेक्रेटरी पीयूष जैन के कुशल नेतृत्व में सम्मेलन का सफल आयोजन संभव हो सका। सम्मेलन के दौरान मनोज मिश्रा द्वारा संस्था के कार्यों एवं उद्देश्यों से परिचय कराया गया। सम्मेलन में उपस्थित जितेंद्र गुर्जर ने कहा कि इस राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस से प्राप्त ज्ञान भारतीय खेलों को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगा।

जितेंद्र गुर्जर ने संस्था एवं आयोजक टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भविष्य में खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों दोनों के लिए लाभकारी साबित होंगे।

मलेशिया के सिविल सेवकों का जिला प्रशासन के अधिकारियों ने किया भव्य स्वागत

सार्वजनिक नीति और शासन के कार्यों के सम्बंध में अधिकारियों ने दी विस्तार से जानकारी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। एनसीजीजी, भारत सरकार 02-13 फरवरी, 2026 तक एनसीजीजी, मसूरी और नई दिल्ली में kतीसरा मलेशिया के सिविल सेवकों के लिए सार्वजनिक नीति और शासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रमk आयोजित कर रही है। इस संदर्भ में विभिन्न विभागों और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने एनसीजीजी टीम के साथ मलेशिया के 30 सिविल सेवकों का दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन, गाजियाबाद में प्रशिक्षिण बैठक आहूत हुई। विकास भवन में पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर सिविल सेवकों को सम्मान दिया गया। जिलाधिकारी महोदय श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के निर्देशन पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मलेशिया के सभी 30 सिविल सेवकों का भव्य स्वागत किया गया। गुरूकुल दा स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा भारतीय संस्कृति के अनुसार सभी गणमान्यों का स्वागत किया गया। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल, परियोजना निदेशक श्री प्रदीप पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगणों द्वारा राजस्व, विकास कार्यों, प्रशासनिक, पुलिस विभाग से सम्बंधित कार्यों सहित अन्य विभागों और अधिकारियों की भूमिका व जिम्मेदारियों के बारे में विस्तृत से जानकारी दी गयी। इस दौरान मलेशिया ग्रुप के सदस्यों ने सरकार/प्रशासन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा व्यवस्था, वृद्धों, बेसहारा, असहाय लोगों की मदद, युवाओं को रोजगार में सहायता, गरीबों का उत्थान, महिला एवं बच्चों की सुरक्षा सहित अन्य बिन्दुओं पर प्रश्न पूछे, जिसका सम्बंधित अधिकारियों द्वारा विस्तार से उत्तर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिला प्रशासन की ओर से सभी गणमान्यों को प्रतीक चिन्ह भेंट किये गये। मलेशिया से आए गणमान्यों ने भी मुख्य विकास अधिकारी महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए आभार एवं अपनी खुशी जाहिर की। उक्त मलेशिया टीम का नेतृत्व डॉ.बी0एस0बिष्ट, प्रोफेसर–राष्ट्रीय सुशासन केन्द्र, भारत सरकार, मसूरी द्वारा किया गया।

बजट 2026-27 आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, कृषि सुदृढ़ीकरण, महिला सशक्तिकरण और युवा रोजगार पर केंद्रित हैः मयंक गोयल

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने उत्तर प्रदेश बजट 2026-27 को विकासोन्मुख, जनकल्याणकारी और दूरदर्शी बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, कृषि सुदृढ़ीकरण, महिला सशक्तिकरण और युवा रोजगार पर केंद्रित है। एक्सप्रेस-वे, मेट्रो विस्तार, डिफेंस कॉरिडोर तथा स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के प्रावधान प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की दिशा में अग्रसर करेंगे। किसानों के लिए सिंचाई, एमएसपी और कृषि यंत्रीकरण, युवाओं के लिए कौशल विकास व स्टार्टअप प्रोत्साहन तथा स्वास्थ्य-शिक्षा क्षेत्र में बढ़ा आवंटन स्वागतयोग्य है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए इसे समावेशी विकास का सशक्त बजट बताया।

समर्पण दिवस पर पं. दीनदयाल उपाध्याय जी को श्रद्धांजलि, संगठन विस्तार एवं सेवा कार्यों का लिया संकल्प

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी, गाजियाबाद महानगर द्वारा महानगर अध्यक्ष श्री मयंक गोयल जी के नेतृत्व में एकात्म मानववाद के प्रणेता एवं भारत रत्न परम पूज्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर "समर्पण दिवस" कार्यक्रम का आयोजन श्री जानकी भवन, कवि नगर, रामलीला मैदान में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में मौजूद सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों को आत्मसात करते हुए समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि ने सभी के साथ पंडित जी के जीवन दर्शन पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उपस्थित जनों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनके जीवन, कृतित्व एवं विचारों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा श्री सतेन्द्र शिशौदिया जी ने अपने संबोधन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन दर्शन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि "पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म 25 सितंबर 1916 को हुआ। बाल्यकाल से ही उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत किया, किंतु राष्ट्रसेवा का संकल्प कभी कमजोर नहीं होने दिया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में कार्य करते हुए संगठन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में अग्रणी रहे।" उन्होंने आगे कहा कि "दीनदयाल जी द्वारा प्रतिपादित ह्यएकात्म मानववाद' भारतीय चिंतन पर आधारित एक समग्र जीवन-दर्शन है, जिसे एकात्म मानव दर्शन भी कहा जाता है। इसमें व्यक्ति, समाज, प्रकृति और राष्ट्र के संतुलित एवं समन्वित विकास की परिकल्पना की गई है। उनकी कृतियाँ 'एकात्म मानववाद', 'राष्ट्र जीवन की दिशा' तथा 'पोलिटिकल डायरी' आज भी कार्यकताओं को विचार आधारित राजनीति का मार्ग दिखाती हैं। उनका जीवन सादगी, सेवा, संगठन और सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा का प्रतीक था।" श्री शिशौदिया जी ने कहा कि "प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अंत्योदय के सिद्धांत को धरातल पर उतार रही है। जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, हर घर जल, स्वच्छ भारत मिशन तथा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी अनेक योजनाएं दीनदयाल जी के अंत्योदय के विचार को साकार कर रही हैं। सरकार का प्रत्येक निर्णय अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है।"

इस अवसर पर पूर्व महापौर श्री आशु वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि "अंत्योदय केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग के उत्थान का संकल्प है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का मानना था कि जब तक अंतिम व्यक्ति का उत्थान नहीं होगा, तब तक राष्ट्र का विकास अधूरा रहेगा। आज हमें सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से अंत्योदय के इस विचार को व्यवहार में लाना होगा।" महानगर अध्यक्ष श्री मयंक गोयल जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि "एकात्म मानववाद या एकात्म मानव दर्शन केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित समग्र दृष्टि है। यह दर्शन व्यक्ति और समाज के बीच संतुलन स्थापित करते हुए समरसता, स्वावलंबन और नैतिक मूल्यों पर आधारित राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है। समर्पण दिवस हमें यह संकल्प दिलाता है कि हम संगठन की मजबूती, सेवा कार्यों के विस्तार और अंत्योदय के सिद्धांत को जीवन में उतारकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के आदर्शों को आगे बढ़ाएं।" उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं सेवा अभियानों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष श्री बलदेव राज शर्मा, श्री अमर दत्त शर्मा, श्री विजय मोहन, सरदार एस.पी. सिंह, श्री अजय शर्मा, पूर्व विधायक श्री रूप चौधरी, श्री राजेश्वर प्रसाद, श्री अनिल स्वामी, श्री सुनील यादव, महामंत्री श्री पप्पू पहलवान, महानगर उपाध्यक्ष श्री बॉबी त्यागी, महानगर मंत्री श्री गुंजन शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, ऋचा भदौरिया, पूनम सिंह सहित विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, पार्षदगण, मोर्चा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के संगठनात्मक कौशल एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

दुर्घटना की वेदना के बीच शिव महापुराण से जागी नई आस्था की ऊर्जा

गाजियाबाद(स्वास्तिक सहारा)। भारत सिटी सोसाइटी में आयोजित भव्य शिव महापुराण के चौथे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही कथा पंडाल में भक्तों का आना शुरू हो गया था और देर शाम तक पूरा परिसर हर–हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ अंत तक कथा श्रवण में डटे रहे। शिव महापुराण का आयोजन श्री श्री 108 श्री महंत स्वामी राजेन्द्रानंद सरस्वती महाराज के सान्निध्य में किया जा रहा है। उनके प्रवचनों में शिव भक्ति, जीवन मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का विशेष संदेश दिया जा रहा है। कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भाव–विभोर दिखाई दिए और कई लोगों की आंखें श्रद्धा से नम हो उठीं। हाल ही में घटी एक दुर्घटना से सोसाइटी के निवासियों का मन आहत था। ऐसे माहौल में शिव महापुराण का आयोजन लोगों के लिए मानसिक और आध्यात्मिक संबल बनकर सामने आया है। निवासियों का कहना है कि इस धार्मिक आयोजन से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है और लोगों के भीतर नई आशा जागृत हुई है।

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। धवल जायसवाल, पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा अपने कार्यालय पर शिकायत लेकर आए व्यक्तियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना गया एवं सम्बन्धित को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। सुरेन्द्र नाथ तिवारी, पुलिस उपायुक्त ग्रामीण द्वारा अपने कार्यालय पर शिकायत लेकर आए व्यक्तियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना गया एवं सम्बन्धित को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

ऐतिहासिक बजट जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार, किसानों की आय सब कुछ मजबूत होगा: विकास जैन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा आज के बजट को ऐतिहासिक बजट बताते हुए राज्य के विकास में निरंतर प्रगति करने वाला बजट बताया गया। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि ऐसा बजट जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार, किसानों की आय सब कुछ मजबूत होगा, यह एक ऐतिहासिक बजट है। प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल ने कहा कि हमारे उम्मीद के अनुरूप आज वित्त मंत्री सुरेश खन्ना नें बजट पेश किया। युवा पीढ़ी के लिए नए रोजगार का सृजन करना राज्य को मजबूत करने के लिए सबसे जरूरी है।

विकास जैन प्रदेश अध्यक्ष

प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल

सचिन गोयल अध्यक्ष ग्रेटर नोएडा

प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बजट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक बजट का कुल आकार 9,12,696 करोड़ है, जो पिछले साल के 8.08 लाख करोड़ से काफी अधिक है। शिक्षा क्षेत्र के लिए कुल बजट का 12.4 प्रतिशत और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 6 प्रतिशत आवंटित किया गया है।

सरकार ने 10 लाख नौकरियों का लक्ष्य रखा है और उत्तर प्रदेश एम्प्लॉयमेंट मिशन के जरिए नए अवसर पैदा करने की घोषणा की है।मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और बेटियों की शादी के लिए 1 लाख तक का अनुदान देने जैसे प्रावधानों के जरिए महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया गया है। किसानों को तोहफा के रुप मे कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 9 प्रतिशत बजट आवंटित किया गया है। किसानों को मुफ्त पानी और गन्ना भुगतान में तेजी लाने के वादे दोहराए गए हैं।

प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य के साथ नए एक्सप्रेसवे और औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए भारी निवेश की घोषणा की गई है। साथ उन्होंने बताया कि निराश्रित महिला पेंशन में वृद्धि, युवाओं के लिए मुफ्त स्मार्टफोन, लैपटॉप वितरण योजना को जारी रखना और अयोध्या में सोलर सिटी का विकास शामिल है। वही प्रदेश महामंत्री व ग्रेटर नोएडा अध्यक्ष सचिन गोयल ने कहा कि योगी सरकार के आखिरी बजट में हमें उम्मीद से ज्यादा मिला है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा पेश किया गया बजट सदियों तक याद रखा जाएगा।

आईएमएस में खेला गया फुटबॉल का क्वार्टर फाइनल मुकाबला

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा सेक्टर-62 स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में आयोजित तीन दिवसीय गोल्डन गोल कप ओपन फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पूरे दिन चले मैचों में टीमों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन की शुरूआत प्रथम राउंड के मैचों से हुई। इस राउंड में बेनेट यूनिवर्सिटी एवं आईएमएस टीम-ए ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले चरण में प्रवेश किया। दोनों टीमों ने सटीक पासिंग, मजबूत डिफेंस और आक्रामक रणनीति के दम पर विरोधी टीमों पर बढ़त बनाई। गोल हंटर की टीम ने शानदार तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए एमयूआईटी नोएडा को 7-0 से पराजित किया। जेएसएस कॉलेज ने सधी हुई रणनीति के साथ जेएमएस एकेडमी को 3-1 से हराया। दिल्ली वॉरियर्स ने सिम्बायोसिस के खिलाफ 4-0 से प्रभावशाली जीत दर्ज की। वहीं आजाद एफसी ने पीवीएफसी को 3-0 से शिकस्त दी। दूसरे राउंड के अंतिम मुकाबले में बेनेट यूनिवर्सिटी ने आईएमएस टीम-ए को 6-0 से हराकर अपनी दावेदारी मजबूत की।

भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधि मंडल ने की सीईओ से शिष्टाचार भेंट

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्ण करुणेश से शिष्टाचार भेंट की और उनका स्वागत किया गया। प्रतिनिधिमंडल की ओर से सीईओ से ग्राउंड लेवल सर्वेक्षण हेतु गाँवो मे स्वयं जाकर निरीक्षण करने का आग्रह किया गया। यूनियन ने अवगत कराया कि नोएडा क्षेत्र के गाँवों मे सफाई व्यवस्था, सीवर, नालियों एवं अन्य बुनियादी सुविधाओ की स्थिति अत्यंत दयनीय है। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोज चौधरी, एनसीआर अध्यक्ष सुनील अवाना, एनसीआर उपाध्यक्ष ऋषि अवाना, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल बैसोया, नोएडा महानगर अध्यक्ष राजवीर मुखिया,एनसीआर मीडिया प्रभारी सोनू अवाना उपस्थित रहे।

खंड विकास अधिकारी/ग्राम प्रधान के कारण योजनाएं भ्रष्टाचार की चढ़ रही भेंट

जनकल्याणकारी योजनाओं में उदासीनता/मनमानी का ग्रामीणों का आरोप

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। घोरावल तहसील क्षेत्र के विकास खण्ड घोरावल अंतर्गत ग्राम पंचायत ओड़हथा सहित अधिकांश ग्राम पंचायतों में जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि खंड विकास अधिकारी एवं ग्राम प्रधानों की उदासीनता और मनमानी के चलते योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही हैं और आम जनता को उनका लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में सड़क, नाली,जल निकासी,खड़ंजा निर्माण, हैंडपंप

मरम्मत,साफ-सफाई, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में वर्तमान पंचवर्षीय कार्यकाल के दौरान अपेक्षित कार्य नहीं कराए गए हैं।मनरेगा योजना की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। उदाहरण के तौर पर ग्राम पंचायत ओड़हथा का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान ग्राम प्रधान राजेंद्र प्रसाद चौधरी जनहित से जुड़े कार्यों को पूरा कराने में विफल रहे हैं।उनका दावा है कि ऐसी ही स्थिति अन्य ग्राम पंचायतों में भी बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में शासन-प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी प्रकरण दर्ज कराया गया,लेकिन अब तक केवल औपचारिक कार्रवाई ही हुई है और जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार देखने को नहीं मिला।सबसे गंभीर आरोप घोरावल के वर्तमान खंड विकास अधिकारी नितिन कुमार पर लगाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे कार्यालय में बैठकर केवल कागजी कार्रवाई पूरी कर रहे हैं,जबकि योजनाओं का वास्तविक लाभ गांवों तक नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि गांवों में जाकर निरीक्षण किया जाए तो स्थिति स्वतः स्पष्ट हो जाएगी। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

सेक्टर- 51 की समस्याओं से संबंधित सौंपा पत्र

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा सेक्टर-51 में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर आरडब्ल्यूए सेक्टर 51 के महासचिव संजीव कुमार ने नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्कल तीन के सीनियर मैनेजर राजकमल और असिस्टेंट मैनेजर शुभम से मिलकर सेक्टर की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्कल-3 के सेक्टर-19 स्थित ऑफिस में अधिकारियों से मुलाकात के दौरान संजीव कुमार ने एक पत्र सौंपा। पत्र में सेक्टर- 51 के सी ब्लॉक क्लाउड नाइन हॉस्पिटल वाली टूटी हुई सड़क की री सरफेसिंग, फुटपाथ की टूटी हुई इंटरलॉकिंग टाइल और नाली को

रिपेयर करवाने, ग्रीन बेल्ट और पार्कों के चारों ओर फुटपाथ पर इंटरलॉकिंग टाइल लगने, सेक्टर 51 सी-7 कम्युनिटी सेंटर के सामने / केंद्रीय विहार बाउंड्री के साथ-साथ और दूसरी तरफ अस्पताल और पार्क की ओर भी इंटरलॉकिंग टाइल लगवाने, तथा सेक्टर की सड़कों पर होने वाले अतिक्रमण को हटवाने सहित अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की।

मुख्यमंत्री पोर्टल का बना मजाक माध्यमिक शिक्षा विभाग लगा रहा फर्जी आख्या

आख्या निस्तारण में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय लापरवाह

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। सोनभद विकास खंड नगवां के सुअर सोत में बन रहे राजकीय इंटर कॉलेज निर्माण में भारी अनियमितता बरतने और मानक के विपरीत कार्य कराने को लेकर आईजीआरएस पर शिकायत की गई थी जिसका संदर्भ संख्या 40020026001217 है जिसकी जांच के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सीएनडीएस विभाग के अवर अभियंता और जिला समन्यवक समग्र शिक्षा को जांच कर आख्या रिपोर्ट देने को कहा गया था विभाग द्वारा निरीक्षण में कोई कमी नहीं मिलने की आख्या रिपोर्ट लगा दी गई इसमें कहा गया है कि इंटर कॉलेज निर्माण में 1:6 के मसाला से ईट की चुनाई की जा रही है और निर्माण मानचित्र के हिसाब से ही हो रहा है।

जबकि शिकायत घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल दो नंबर का ईट के प्रयोग आदि की की गई थी इसके विपरित जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा झूठी मनगढ़ंत कहानी लिखकर मामले का निस्तारित कर दिया गया निरीक्षण के दौरान न तो शिकायत कर्ता से बात की न तो मौके पर बुलाया गया नहीं विभाग के निरीक्षण का कोई इमेज आख्या में लगाया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि विभाग द्वारा बिना निरीक्षण किए ही जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से आख्या लगाई गई है। और ये लिखा गया है कि द्वेष की भावना से शिकायत की गई है शिकायत करना द्वेष कैसे हो गया विभाग स्पष्टीकरण दे।इस मामले को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक से सेल फोन पर वार्ता करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने ने फोन रिसीव नहीं किया।आईजीआरएफ पर फर्जी आख्या निस्तारण में जिला विद्यालय निरीक्षक पहले से ही संदेह में है। शिकायत कर्ता ने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

हाईराइज फेडरेशन के अध्यक्ष निखिल सिंघल ने डीएम, एसडीएम और एडीएम से की मुलाकात

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोइडा हाईराइज फेडरेशन के अध्यक्ष निखिल सिंघल ने डीएम मेधा रूपम, एडीएम अतुल कुमार और एसडीएम अनुज नेहरा के साथ लगभग एक घंटे की बैठक की। इस बैठक में सेक्टर 119 और 120 के एओए और फेडरेशन के सदस्यों ने भाग लिया, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।निखिल सिंघल ने कहा की डीएम महोदया से मिलकर हमें बहुत खुशी हुई। हमने उन्हें एसआईआर कैंप के लिए धन्यवाद दिया, जो हमारे क्षेत्र में आयोजित किया गया था। हमने उनसे अन्य सोसाइटियों के लिए भी एसआईआर कैंप आयोजित करने की मांग की, ताकि सभी निवासियों को इसका लाभ मिल सके।

बैठक में मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं पर भी चर्चा हुई, जो हाल के दिनों में क्षेत्र में बढ़ गई हैं। निखिल सिंघल ने कहा की हमने डीएम महोदया से अनुरोध किया है कि वे इस मुद्दे पर विशेष ध्यान दें और जल्द से जल्द इसका समाधान निकालें।

इसके अलावा, प्रशासनिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जिसमें क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रशासन से सहयोग की मांग की गई। निखिल सिंघल ने कहा की यह बैठक बहुत फलदायक रही और हमें उम्मीद है कि जल्द ही इन मुद्दों का समाधान होगा। हम डीएम महोदया और उनके सहयोगियों को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने हमारी बात सुनी और हमें आश्वासन दिया कि वे इन मुद्दों पर काम करेंगे।

कुमुद शेखर सिंह को मिली बडी सफलता रामगढ़ बाजार में हुए हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

सीओ सदर राज के कुशल नेतृत्व में पुलिस की बडी कार्यवाई

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। पन्नूगंज थाना क्षेत्र के रामगढ़ बाजार में हुए हत्याकांड का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दिनांक 27/28 जनवरी 2026 की रात मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति मंगरू उम्र लगभग 35 वर्ष जो रामगढ़ बाजार में भीख मांगकर जीवनयापन करता था अज्ञात व्यक्ति द्वारा गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में ग्राम चौकीदार की तहरीर पर थाना पन्नूगंज में मु0अ0सं0 21/2026 धारा 103 (1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी सदर राज के कुशल मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत 10 फरवरी 2026

को मुखबिर की सूचना पर करवनिया नहर मझिगाई पुलिया के पास से आरोपी विकाश कुमार उर्फ विक्की उम्र 26 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी के प्रयास के दौरान पकड़े जाने के भय से कांच के टुकड़े से वार कर हत्या करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त रक्तरंजित कांच का टुकड़ा, जैकेट,पैंट,जूते व अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया है। इस खुलासे से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता की सराहना की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह, हे0का0 सुशील सिंह, ओम प्रकाश यादव,दीपक गिरी,महिला कांस्टेबल ममता यादव मौजूद रहे।

मौत की खामोश गूंज:ओबरा बिल्ली-मारकुंडी खनन बेल्ट में फिर सक्रिय हो रही हैं जोखिम भरी खदानें?

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। ओबरा और बिल्लि-मारकुंडी खनन बेल्ट में एक बार फिर हलचल तेज है। डीजीएमएस द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट था कि केवल सुधारात्मक कार्य की अनुमति है। तल में कार्य पूर्णतः वर्जित रहेगा। लेकिन जमीनी दावों के अनुसार कई स्थानों पर भारी ब्लास्टिंग देखी-सुनी जा रही है। यदि यह सत्य है, तो यह आदेश की सीधी अवहेलना है। पिछले हादसे की भयावहता अभी भी ताजा है। विस्फोट के बाद खदान धंस गई थी।मजदूरों के शव मलबे से निकाले गए थे। परिवारों की चीखें आज भी इलाके की हवा में गूंजती हैं। उस घटना ने सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। प्रशासन ने कहा था- अब सख्ती होगी।

डीजीएमएस ने कहा- सुधार के बिना खनन नहीं। अब यदि फिर से गतिविधियाँ तेज हैं, तो क्या यह सुधार है या जोखिम? खनन विशेषज्ञों के अनुसार, खदानों में हाई-वॉल स्थिरता,

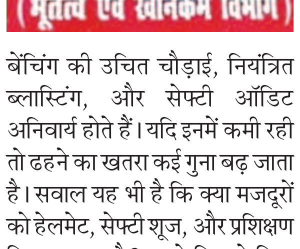

बेंचिंग की उचित चौड़ाई, नियंत्रित ब्लास्टिंग, और सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य होते हैं। यदि इनमें कमी रही तो ढहने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। सवाल यह भी है कि क्या मजदूरों को हेलमेट, सेफ्टी शूज, और प्रशिक्षण दिया जा रहा है? या वे फिर से बिना सुरक्षा के पत्थरों के बीच उतारे जा रहे हैं? जिला प्रशासन, खनन विभाग और श्रम विभाग को संयुक्त निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।मजदूरों की जान कोई आंकड़ा नहीं। हर मौत एक परिवार को अंधेरे में धकेल देती है। यदि प्रतिबंध के बावजूद नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, तो यह सिर्फ अव्यवस्था नहीं, संभावित त्रासदी का संकेत है।

उत्तर प्रदेश के लिए अब तक का सबसे बेकार है चुनावी बजट: दीपक विग

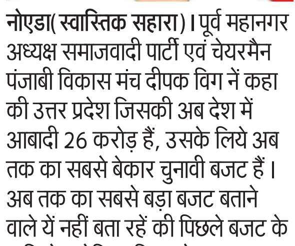

नोएडा(स्वास्तिक सहारा)। पूर्व महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी एवं चेयरमैन पंजाबी विकास मंच दीपक विग नें कहा की उत्तर प्रदेश जिसकी अब देश में आबादी 26 करोड़ हैं, उसके लिये अब तक का सबसे बेकार चुनावी बजट हैं। अब तक का सबसे बड़ा बजट बताने वाले यें नहीं बता रहें की पिछले बजट के कृषि क्षेत्र, बेसिक शिक्षा क्षेत्र, स्वास्थ्य क्षेत्र पर बजट के आवंटित रुपये का केवल 57 से 58 प्रतिशत ओर 62 प्रतिशत ही खर्च किया गया हैं। केवल बजट बढ़ाने से क्या लाभ जब पूरा खर्च ही नहीं करना। सरकारी स्कूल, सरकारी हॉस्पिटल, ज़िला हॉस्पिटल की बुरी हालत हैं। डॉक्टर, मशीन, साफ सफाई टॉयलेट की बुरी हालत हैं ताकि लोग प्राइवेट स्कूल हॉस्पिटल की सुविधा ले। बेरोजगारी दूर करने के लिये कुछ नहीं किया।

पंडित लोकनाथ इंटरमीडिएट कालेज बगनारी में सरस्वती पूजा/विदाई समारोह में अश्लील डांस का वीडियों वायरल

छात्र शर्ट उतारकर अश्लील गानों पर डांस करते रहे कार्रवाई की मांग

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। राबट्र्सगंज विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बगनार मे स्थित पंडित लोकनाथ इंटरमीडिएट कालेज के छात्रों का सरस्वती पुजा एंव इटर कालेज छात्र छात्राए के विदाई समारोह मे डिजे के धुन पर अश्लील डांस का विडियो वायरल होने से क्षेत्र मे चर्चा का विषय बना हुआ है।

बताया जा रहा है इस दौरान छात्रों डिजे के भोजपुरी अश्लील गीत डांस करते हुए विद्यालय परिसर मे छात्र शर्ट उतार कर डांस कर रहे हैं। वायरल विडियो एक दिन पुर्व का बताया गया है। संभ्रांत लोगों ने इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए बताया की यह कार्य शिक्षक संस्थान मे अनुशासन तोड़ने वाला है।

इसके लिए विद्यालय प्रबंधन पुर्व

रूप से दोषी है। वही विद्यालय के प्रधानाचार्य सतीश कुमार पांडेय से सेलफोन पर बताया की यह कार्यक्रम छात्रो द्वारा विद्यालय परिसर के बाहर किया गया लिहाजा विद्यालय प्रबंधन दोषी नही है।

इस संबंध मे बीजेपी चोपन मंडल महामंत्री राहुल सिंह का कहना है की यह घोर कृत्य निन्दनिय है। इसकी मे कडो शब्दो मे निन्दा करता हुँ।

विद्यालय प्रबंधन पर सक्त कारवाई होनी चाहिए वही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आन्नद पाडेय से जानकारी लेना चाहा तो उन्होने फोन रिसीव नही किया लिहाज अधिकारीक बयान नही लिया जा सका है।

सोनभद्र पुलिस ने जन शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में प्रदेश में प्रथम स्थान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जन शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में पुलिस ने प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उत्तर प्रदेश सरकार के आईजीआरएस (IGRS) पोर्टल पर माह जनवरी 2026 में प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के आधार पर जनपद को कुल 125 अंकों में से 125 अंक प्राप्त हुए। एसपी अभिषेक वर्मा के निर्देशन में शिकायतों की नियमित समीक्षा की गई तथा निस्तारण में आ रही कमियों को समय रहते दूर किया गया। आईजीआरएस सेल में नियुक्त कर्मियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए लगातार प्रोत्साहित किया गया, जिससे शिकायतों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सका।शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए सोनभद्र पुलिस ने यह उपलब्धि हासिल की है।

जनपद के 21 थानों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की थाना रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने आईजीआरएस पोर्टल पर कार्य कर रहे सभी पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य जारी रहेगा।

सम्पादकीय

पाकिस्तान की नौटंकी खत्म

पाकिस्तान की यही नियति थी। उसे इसी तरह चाटना था। उसने सिर्फ बांग्लादेश की पैरोकारी और अंततः 'मुस्लिम ब्रदरहुड' की खातिर टीम इंडिया से मैच खेलने का बहिष्कार किया था। यह टी–20 विश्व कप का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का आयोजन है। पाकिस्तान हो या कोई अन्य देश हो, इस आयोजन के बेमानी बहिष्कार के मायने गंभीर और संवेदनशील होते हैं। देश अपनी पहचान तक खो सकते हैं, लंबी पाबंदियां झेलनी पड़ सकती हैं और आर्थिक नुकसान असहनीय होता है। पाकिस्तान ने 1970–71 के दौर में बांग्लादेश के 'मुक्ति संग्राम' के दौरान लाखों बेगुनाह लोगों की लाशें बिछाई थीं, औरतों के साथ वहशी बलात्कार किए गए थे, बच्चों के कत्लेआम किए गए थे, बांग्लादेश उस दौर को कैसे भूल सकता है? पाकिस्तान के साथ नए रिश्तों की पींगें कैसे बढ़ा सकता है? कोई तानाशाह, संवेदनहीन व्यक्ति भी इन सवालों के जवाब नहीं दे सकता। बहरहाल पाकिस्तान की विडंबना देखिए कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी ऐलान किया था कि उनकी क्रिकेट टीम भारत के साथ मैच नहीं खेलेगी, लेकिन दो दिन बाद ही उन्हें अपनी नौटंकी वापस लेनी पड़ी कि दोस्तों का आग्रह है, लिहाजा 15 फरवरी को भारत–पाकिस्तान मैच में उनकी टीम खेलेगी। कितना बौना, असहाय, नासमझ है पाकिस्तान का वजीर–ए–आजम! यह बौनापन इसलिए भी गौरतलब और चिंतनीय है, क्योंकि पाकिस्तान का 'संवैधानिक शाह' जनरल मुनीर और उसके साले, पाक गृहमंत्री, पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अंदरूनी तौर पर चाहते थे कि भारत के साथ मैच खेला जाना चाहिए। लिहाजा कुछ शर्तों का भी ढोंग किया गया। मसलन–आईसीसी निर्देश दे कि भारत–पाक द्विपक्षीय शृंखला खेली जाए। बेशक शृंखला का आयोजन किसी तटस्थ मैदान पर किया जाए। आईसीसी भारत, पाक, बांग्लादेश क्रिकेट की त्रिपक्षीय शृंखला के लिए भी निर्देश दे। यह भी शर्त रखी गई कि टीम इंडिया बांग्लादेश का दौरा करे। गौरतलब यह है कि आईसीसी ने तीनों ढोंगिया शर्तें खारिज कर दीं और साफ किया कि यह उसका विशेषाधिकार नहीं है। आईसीसी ने भारत के साथ मैच खेलने का पाकिस्तान का आखिरी फैसला जानना चाहा। ये औपचारिकताएं अंतरराष्ट्रीय मंच पर करनी जरूरी हैं। अलबत्ता पीसीबी को आगाह किया गया कि यदि मैच का बहिष्कार किया जाता है, तो उसे करीब 315 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ सकता है। पाकिस्तान पर कई पाबंदियां थोपी जा सकती हैं। आईसीसी मैचों की मेजबानी की सूची से उसे बाहर किया जा सकता है। पाकिस्तान को कुल करीब 1000 करोड़ रुपए की चपत लग सकती है। आखिर भूखा, नंगा, कटोरा देश इतने बड़े नुकसान की भरपाई कैसे कर सकता है? सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, तुर्किए सरीखे देशों ने 'उधारी' देने से इंकार कर दिया है, बल्कि चीन तो कर्ज के पैसे वापस मांग रहा है। ऐसे हालात के तहत घबराते, डरते, कांपते हुए पीसीबी को मैच खेलने की हामी भरनी पड़ी।

चीन भी आ गया लाइन पर, यूएनएससी में भारत के दावे का किया समर्थन

नीरज कुमार दुबे

भारत और चीन के बीच रिश्तों की जमी बर्फ अब पिघलने लगी है और यह बदलाव केवल सीमा तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि व्यापार, कूटनीति और वैश्विक शक्ति संतुलन तक फैलता नजर आ रहा है। नई दिल्ली में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और चीन के कार्यकारी उप विदेश मंत्री मा झाओशु के बीच हुई सामरिक संवाद बैठक ने यह साफ कर दिया कि दोनों देश टकराव की लंबी थकान के बाद अब ठोस लाभ की राह तलाश रहे हैं। बातचीत का मुख्य आधार रहा व्यापारिक रिश्तों को आगे बढ़ाना और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखना।

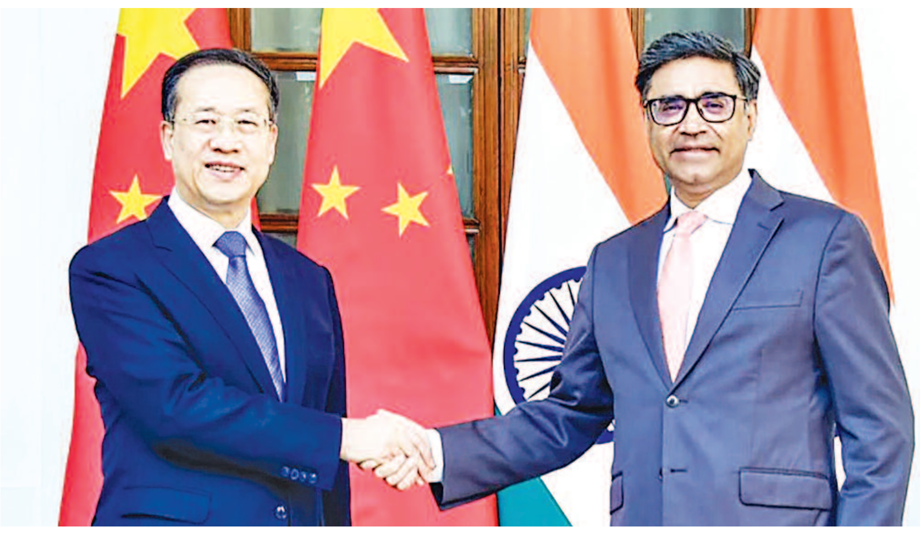

हम आपको याद दिला दें कि करीब 4 वर्ष तक चले पूर्वी लद्दाख गतिरोध ने दोनों देशों के संबंधों को झकझोर दिया था। उसके बाद हुए सीमा समझौते और शीर्ष नेतृत्व की बैठकों के फल अब सामने आने लगे हैं। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता ही व्यापक रिश्तों की बुनियाद है।

इसी सोच के साथ द्विपक्षीय व्यापार से जुड़ी अड़चनों को राजनीतिक और सामरिक दृष्टि से सुलझाने पर जोर दिया गया। बैठक में वायु सेवा समझौते को जल्द नया रूप देने, जन से जन संपर्क बढ़ाने और प्रवेश अनुमति पत्र प्रक्रिया को सरल बनाने पर सहमति बनी। कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को भरोसे की बहाली का संकेत माना गया और इसके दायरे को आगे बढ़ाने की आशा जताई गई।

सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात रही चीन का यह कहना कि वह भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की आकांक्षा को समझता और उसका सम्मान करता है। यह रुख पहले के ठंडे या विरोधी रवैये से अलग माना जा रहा है। सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं और हर एक के पास वीटो शक्ति है। ऐसे में किसी नए स्थायी सदस्य के रास्ते में इन पांचों की सहमति निर्णायक होती है। पहले चार स्थायी सदस्यों ने अलग अलग समय पर भारत के दावे का समर्थन जताया है, जबकि चीन का रुख अस्पष्ट या ठंडा रहा। अब बीजिंग की यह नरमी नई चर्चा को जन्म दे रही है।

चीन ने यह भी कहा कि बदलती अंतरराष्ट्रीय स्थिति में दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, सहयोगी साझेदार के रूप में देखना चाहिए। दोनों ने बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका, ग्लोबल साउथ की एकजुटता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की बात दोहराई। साथ ही भारत की इस वर्ष की ब्रिक्स अध्यक्षता और भारत में होने वाली ब्रिक्स शिखर बैठक के लिए चीन ने समर्थन जताया। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है जब भारत ने अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार समझौते आगे बढ़ाए हैं और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को विविध बना रहा है।

ऐसे में चीन का भारत की ओर व्यापार और कूटनीति का हाथ बढ़ाना केवल सद्भाव नहीं, बल्कि रणनीति भी माना जा रहा है। दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं यदि टकराव कम कर सहयोग बढ़ाती हैं, तो एशिया ही नहीं, पूरे विश्व का शक्ति गणित बदल सकती हैं।

पिछले छह महीनों में भारत चीन संबंधों में जो सुधार दिखा है, उसमें शीर्ष नेतृत्व की मुलाकातें, सैन्य स्तर पर संवाद और आर्थिक संपर्क की बहाली शामिल है। हालांकि अविश्वास पूरी तरह खत्म नहीं हुआ, पर संवाद की पटरी पर लौटना अपने आप में बड़ा बदलाव है। देखा जाये तो भारत चीन रिश्तों में यह नरमी केवल दोस्ती की कहानी नहीं, बल्कि कठोर यथार्थ की राजनीति है। अमेरिका के साथ भारत के बढ़ते व्यापार और सामरिक समीकरण ने बीजिंग को संकेत दिया है कि नई दिल्ली अब विकल्पों से भरपूर है। ऐसे में चीन का लहजा बदलना स्वाभाविक भी है और मजबूरी भी। वह नहीं चाहता कि भारत पूरी तरह पश्चिमी खेमे की ओर झुक जाए और एशिया में उसके लिए संतुलन बिगड़ जाए।

भारत के लिए भी यह मौका है, पर खतरे से खाली नहीं। चीन के शब्द मधुर हो सकते हैं, पर उसकी नीति हमेशा अपने हित के इर्द गिर्द घूमती है। सीमा पर शांति की बात स्वागत योग्य है, पर जमीन पर सख्त चौकसी ढीली नहीं पड़नी चाहिए। इतिहास बताता है कि भरोसा और सतर्कता दोनों साथ साथ चलाने पड़ते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पर चीन का नरम संकेत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके बिना सुधार की गाड़ी आगे नहीं बढ़ सकती। लेकिन केवल समझने और सम्मान करने से काम नहीं चलेगा, खुला और स्पष्ट समर्थन ही असली कसौटी होगा।

बहरहाल, यदि भारत और चीन सच में प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित कर सहयोग का रास्ता निकाल लेते हैं, तो इसके वैश्विक और क्षेत्रीय भूराजनीतिक निहितार्थ गहरे होंगे। एशिया में तनाव घट सकता है, आपूर्ति श्रृंखलाएं स्थिर हो सकती हैं और ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत हो सकती है। इससे बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को भी नया बल मिलेगा, जहां पश्चिम का वर्चस्व अकेला निर्णायक न रहे। पर अंतिम सवाल यही है कि क्या यह बदलाव स्थायी होगा या हालात बदलते ही फिर तल्खी लौट आएगी। भारत को इस नए दौर में आत्मविश्वास, आर्थिक शक्ति और सैन्य तैयारी के साथ कदम बढ़ाना होगा। दोस्ती की मेज पर हाथ मिलाते समय भी सीमा पर नजर और दिमाग, दोनों खुले रखने होंगे। यही परिपक्व शक्ति की पहचान है।

दैनिक राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।
प्रेम–प्रसंग में सफलता मिलेगी। बाहर सहायता से काम होंगे। प्रसन्नता रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा।

वृषभ: इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।
संतान पक्ष की चिंता रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन–देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन: का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, हा।
सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क: ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।
विवाद व जल्दबाजी से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।
यात्रा में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। दु:खद समाचार मिल सकता है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर संयम रखें।

कन्या: टो, पा, पी, पू, ष, ण:, ठ, पे, पो।
प्रेम में सफलता मिलेगी। प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। मान–सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी।

तुला: रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।
अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम उठाएं। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।
अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मसम्मान बना रहेगा।

धनु: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।
कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होंगे। लेन–देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।
लेनदारी वसूल होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ: गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।
तीर्थयात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा।

मीन: दी, दू, थ, झ, यं, दे, दो, चा, ची।
नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी।

संसद बनी बंधक- संविधान का अपमान कौन कर रहा है?

मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष -2026 का बजट सत्र हल्ले-गुल्ले और अराजकता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। यहाँ बजट के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों को उठाए जाने का प्रयास हो रहा है। स्थितियां इतनी विकट हैं कि संसदीय इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री लोकसभा में उत्तर नहीं दे सके और राष्ट्रपति का अभिभाषण बिना किसी चर्चा के पारित हो गया। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में 97 मिनट लंबा और प्रभावशाली उत्तर दिया। राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष द्वारा की गई सभी टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन देश के स्वर्णिम भविष्य और विकास की दिशा को भी दशार्ता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के समय हंगामा करके देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान करने के बाद जब समय आने पर राहुल गांधी को बोलने का अवसर दिया गया तो उन्होंने विषय से इतर जाकर पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की एक अप्रकाशित पुस्तक कोट करते हुए चीनी घुसपैठ का पुराना मुद्दा उछालने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियमों के अंतर्गत व्यवस्था दिए जाने के बाद भी राहुल गांधी अपनी बात पर अड़े रहे। यह एक आश्चर्यजनक व्यवहार है कि नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने के स्थान पर पुराने मुद्दे उठाए और उनको भी आपत्तिजनक रूप से रखकर देश की सेना और सदन का अपमान करे। लोकसभा में कांग्रेस तथा इंडी गठबंधन की महिला सांसदों ने जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी का रास्ता रोकने की योजना बनायी और लोकसभा अध्यक्ष को प्रधानमंत्री से सदन न आने का अनुरोध करना पड़ा वो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना ये है कि यही लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बाते करते हैं।

राज्यसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग न लेकर विपक्षी दलों ने न केवल राष्ट्रपति पद का अपमान किया है अपितु एक गरीब परिवार से निकलकर आई आदिवासी महिला का भी अपमान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में राहुल गांधी व कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहने पर भी राहुल गांधी घेरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनका अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच गया है। कांग्रेस छोड़कर कितने ही लोग निकले हैं किसी और को तो गद्दार नहीं कहा, ये सिख हैं इसलिए कहा, ये सिखों का, गुरुओं का अपमान था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकसभा में चेयर पर कागज फेकें गए जब असम के सदस्य चेयर की कुर्सी पर विराजमान थे क्या यह असम का अपमान नहीं? जब आंध्र प्रदेश के एक दलित सदस्य चेयर की कुर्सी पर बैठे थे तब उन पर भी कागज फेंके गए क्या यह एक दलित बेटे और संविधान का अपमान नहीं है?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आखिर कांग्रेस उनके लिए कब्र खुदेगी का नारा क्यों देती है? हमने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 से हटाई इसलिए या हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा है इसलिए? प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने के सपने देखती है? आजकल मोहब्बत की दुकान खोलने वाले 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं देश के युवाओं के लिए मजबूत जमीन तैयार कर रहा हूं तो कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने के कार्यक्रम करवा रही है। हमने नार्थ ईस्ट में बम बंदूक और आतंक का जो साया बना रहता था वहां शांति और विकास की राह अपनाई इसलिए वह मोदी की कब्र खोद रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियो को घर में घुसकर मारते हैं, ऑपरेशन सिंदूर करते हैं और इसलिए वे मोदी की कब्र खोदना चाहते हैं। मोदी तेरी कब्र खुदेगी ये जो उनके भीतर नफरत भरी हुई है मोहब्बत की दुकान में जो आग भरी पड़ी हुई है, उसका कारण है किकांग्रेस इस बात को पचा नहीं पा रही है कि कोई और क्यों प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा है, ये तो हमारा पैतृक अधिकार था इसलिए वे हताशा में मोदी की कब्र खोदने के नारे लगा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने आगे जोड़ा कि कांग्रेस को ये सहन नही हो रहा हे कि जो समस्याएं उसने 60 सालो में पाल- पोस कर बड़ी की थीं मोदी उनका एक-एक करके समाधान क्यों कर रहा है? कांग्रेस को ये सब पसंद नहीं आ रहा है इसलिए अब कांग्रेस के नेता मोदी तेरी कब्र खुदेगी का नारा लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपियन यूनियन और फिर अमेरिका के साथ जो व्यापार समझौते हुए उनके विषय में जानकारी देते हुए बताया कि अब पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है और समझौते कर रही है। कांग्रेस को भी यहअवसर मिला था, उन्होंने यह क्यों नही कर दिखाया?

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से कांग्रेस,लेफ्ट व डीएमके सहित टीएमसी पर भी तीखा हमला बोला और उन्होंने बंगाल की टीएसमी सरकार को देश की सबसे निर्मम सरकार बताते हुए कहा कि यह लोग अपने अंदर नहीं झाकते अपितु हमको यहां बैठकर उपदेश देते हैं। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा सांसद सदानंद मास्टर के भाषण का संज्ञान लेते हुए वैचारिक सहिष्णुता की चर्चा की, ज्ञातव्य है कि सदानंद मास्टर के दोनों पैर वामपंथी विचारधारा के लोगों ने निर्ममता से केवल उनकी विचारधारा अलग होने के कारण काट दिए थे। संसद के वर्तमान सत्र में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने जो रवैया अपनाया है उसने देश के वास्तविक मुद्दों को उठाने का एक सुनहरा अवसर खो दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा को घेरने के बजे उन्होंने भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी को ही अपने ऊपर आक्रमण करने का अवसर दे दिया है। भाजपा अब सिख व दलित सांसदों के अपमान का राजनैतिक लाभ उठाने का पूरा प्रयास करेगी। भाजपा चुनाव वाले राज्यों में विरोधी दलों के संसदीय आचरण को भी मुद्दा बनाएगी।

कृषि उपज के लिए बाजार को खोलना यानी बवंडर को निमंत्रण

उमेश चतुर्वेदी

इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसके तहत अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे।

भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स यहीं पर नहीं रूके। उन्होंने सिर्फ 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि भारत के साथ कृषि कारोबार के चलते अमेरिका को 1.3 अरब डॉलर का घाटा हो रहा है। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है।

रोलिंग्स की इस खुशी की वजह से भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत के छियासी प्रतिशत किसान सीमांत या लघु हैं। जिनकी जोत दो हेक्टेयर से कम है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। इससे भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है।

किसानों की आशंकाओं को विपक्षी दलों ने अपने ऊंचे सुरों से और बढ़ाया ही है। लेकिन कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों,सब्ज़ियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक, इस समझौते से भारतीय किसानों को नए अवसर मिलेंगे,क्योंकि इस समझौते में कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाए, ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत की ओर से अमेरिका समेत कई देशों को करीब 63 हजार करोड़ के चावल का निर्यात कर चुका है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा।

> भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगें

भारत-अमेरिकी समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनीं पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को 'रेड-लाइन' यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है। इसकी वजह है कि गांवों में इनसे जुड़े काफी रोजगार हैं। इन सेक्टर को खोलने को लेकर भारत की बातचीत यूरोप और ब्रिटेन से भी अटक चुकी है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस बाजार को खोलना भारतीय किसानों के लिए नुकसानदायक तो होगा ही, राजनीतिक बवंडर की वजह भी बन सकता है। इस बवंडर का सामना करने की हिम्मत विरली राजनीतिक ताकतें ही कर सकती हैं। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों, खासतौर पर एमएसएमई, किसानों और मछुआरों के लिए तीन लाख अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा बाजार खुलने की उम्मीद है। इसकी वजह से जो निर्यात बढ़ेगा, उससे महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना जताई जा रही है। भारत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, मुर्गी पालन, दूध, पनीर, एथनॉल, तंबाकू, सब्जियां और मांस सहित संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों को पूर्ण रूप से संरक्षित करेगा। दोनों देश अपने-अपने हित वाले क्षेत्रों में एक-दूसरे को तरजीही बाजार पहुंच प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में भारत ने अमेरिका से 2.4 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद आयात किए थे, जिनमें ज्यादातर ताजे फल, सूखे मेवे, बादाम, अखरोट मादक पेय, कच्चा कपास, वनस्पति तेल और प्रोसेस्ड सामान हैं। दूसरी तरफ भारत ने अमेरिका को 6.2 अरब डॉलर का कृषि निर्यात किया, जिनमें समुद्री उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, जड़ी-बूटियों के आयुर्वेदिक उत्पाद प्रमुख रहे। यह भारत के कुल 53.2 अरब डॉलर सालाना के कृषि निर्यात

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मोबाइल नंबर - +91 99990 74369

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road,
Ghaziabad-201001 Phone : 0120-4252839

दिल्ली एनसीआर के सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी मे क्रिकेट टूनार्मेंट एमपीएल सीजन 5 की शानदार शुरूआत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। दिल्ली एनसीआर के कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स के बीच होने वाला सबसे बड़ा क्रिकेट टूनार्मेंट महर्षि प्रीमियर लीग (एमपीएल) एक बार फिर पूरे जोश के साथ शुरू हो गया है। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमयूआईटी) द्वारा आयोजित इस टी-20 टूनार्मेंट के पांचवें सीजन का शुभारंभ भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ किया गया। मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह और दर्शकों की तालियों ने माहौल को पूरी तरह क्रिकेटमय बना दिया। उद्घाटन समारोह पर विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ

अधिकारी मौजूद रहे। डीन अकादमिक डॉ. तृप्ति अग्रवाल, डिप्टी रजिस्ट्रार संदीप शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी शिवम् यादव और स्पोर्ट्स मैनेजर सलमान साजिद सहित सभी डीन और डिप्टी डीन की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। सभी ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और बेहतर खेल भावना के साथ टूनार्मेंट खेलने की शुभकामना दीं। इस दौरान एमपीएल सीजन 5 की साढ़े पांच फीट ऊंची आकर्षक ट्रॉफी का अनावरण भी किया गया। ट्रॉफी जैसे ही मंच पर आई, सभी की नजरें उसी पर टिक गईं। खिलाड़ियों के बीच इसे जीतने का उत्साह साफ नजर आ रहा था। इस बार एमपीएल पहले से भी बड़ा हो गया है। दिल्ली एनसीआर के 16 नामी विश्वविद्यालय और कॉलेज इस टूनार्मेंट में हिस्सा ले रहे हैं। इनमें जाकिर हुसैन कॉलेज, एमिटी सोशल साइंस और एमिटी लॉ स्कूल (नोएडा), आईआईटीएम जनकपुरी, एमयूआईटी नोएडा और लखनऊ, गैलगोटियास यूनिवर्सिटी, एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज, वेंकटेश्वर कॉलेज (दिल्ली), दिल्ली टेक्निकल कैंपस, वीआईपीएस (दिल्ली), शारदा यूनिवर्सिटी, बीपीआईटी, बेनेट यूनिवर्सिटी, जेएसएस और ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी जैसी टीमें शामिल हैं। टीमों की इस मजबूत लाइनअप को देखते हुए इस सीजन में कड़े मुकाबले होने तय माने जा रहे हैं। ओपनिंग डे पर चार मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहले मैच में एमिटी स्कूल ऑफ साइंस ने शानदार खेल दिखाते हुए एमयूआईटी को 57 रनों से हराया। दूसरे मुकाबले में शारदा यूनिवर्सिटी ने जाकिर हुसैन कॉलेज को 58 रनों से मात दी। दोनों ही मैचों में बल्लेबाजों और गेंदबाजों का संतुलित प्रदर्शन देखने को मिला।महर्षि यूनिवर्सिटी का कहना है कि एमपीएल सिर्फ एक क्रिकेट टूनार्मेंट नहीं, बल्कि युवाओं को एक साथ जोड़ने का मंच है। यहां खेल के साथ-साथ टीमवर्क, लीडरशिप और आत्मविश्वास भी विकसित होता है। यही वजह है कि एमपीएल हर साल और बड़ा होता जा रहा है।

मसूरी एवं डासना क्षेत्र में अवैध कालोनियों पर चला प्राधिकरण का बुलडोजर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गाजियाबाद। प्रभारी प्रवर्तन जोन-03 के नेतृत्व में युसूफ द्वारा खसरा संख्या-568, मसूरी डासना मुख्य हापुड रोड़ से सटे उत्तर की तरफ फारेस्ट पार्क टाउनशिप गाजियाबाद पर लगभग 20 बीघा में, ललित चौधरी व रविन्द्र चौधरी, कल्लू गढ़ी रोड़ के मध्य गाजियाबाद लगभग 03 बीघा में, सुभान पुत्र हाजी उसमान, फजरूदीन रहमान, फरमान व अन्य मसूरी समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय के सामने, मसूरी रेलवे फाटक रोड़, स्टेशन से पीछे की तरफ गाजियाबाद पर लगभग 08 बीघे में, फरमान, सुभान पुत्रगण उसमान, गेल इण्डिया के सामने पश्चिम तरफ लगभग 300 मी0 पर मसूरी झील रोड मसूरी गाजियाबाद पर लगभग 4 बीघा पर और हरीश कुमार शर्मा द्वारा खसरा सं0-582/5, ग्राम-मसूरी गाजियाबाद में लगभग 6.5 बीघा में एवं सुभान द्वारा खसरा सं0-582 मसूरी गाजियाबाद के लगभग 3 बीघे में किये गये अनाधिकृत निर्माण/विकास कार्य पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी।

ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय स्थानीय निर्माणकताओं द्वारा काफी विरोध किया गया, परन्तु प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हे नियन्त्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जारी रखी गयी। स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता एवं समस्त सुपरवाईजर/मेट, स्थानीय पुलिस बल तथा प्राधिकरण पुलिस बल उपस्थित रहा।

दुकानदार से उगाही करने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के आदेश पर चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी और एडीसीपी/ एसीपी लिपि नगायच व थाना प्रभारी अजय चौधरी के नेतृत्व में मसूरी पुलिस ने अपने आप को कभी इनकम टैक्स अधिकारी और कभी सीबीआई का अधिकारी बताकर एक दुकानदार से धन उगाही करने वाले आरोपी को मसूरी स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया है। इस मामले में शाहिद नामक व्यक्ति ने बताया कि उनकी होली क्रॉस के पास बीज की दुकान है और वह अपने दुकान पर बैठे थे। इसी बीच करीब 2 महीने पूर्व दो तीन व्यक्ति उसकी दुकान पर आए और उन्होंने पहले धमकाया कि वह इनकम टैक्स विभाग से आए हैं। और उन्होंने सीबीआई का लोगों (चिन्ह) भी दिखाया और डरा धमका कर पैसे लेकर चले गए। इस मामले में मेरे द्वारा समाज में डर और भय के कारण किसी से कुछ नहीं बताया।

पुलिस टीम पर जानलेवा हमला कर आगजनी व बवाल करने के मामले में तीन आरोपितों को मिली अग्रिम जमानत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

वाराणसी। सत्र न्यायालय संजीव शुक्ला की अदालत ने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला कर आगजनी व बवाल करने के मामले में तीन आरोपित को बड़ी राहत दे दी। ग्राम बिडड़ा, थाना मिजार्मुराद निवासी महात्मा बनवासी, जितेंद्र कुमार व गोलू बनवासी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने की दशा में 50-50 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बन्धपत्र देने पर अग्रिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से फौजदारी अधिवक्ता बंटी खान व अधिवक्ता रागिनी सिंह ने पक्ष रखा।अभियोजन पक्ष के अनुसार 20 अक्टूबर 2025 को मिजार्मुराद थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार पाण्डेय मय हमराह के साथ क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था देख-रेख व दीपावली त्यौहार सकुशल सम्पन्न कराने के सम्बन्ध में थाना हाजा से रवाना होकर कछवाँ रोड अण्डर पास हाइवे पर मौजूद थे, तभी जरिये मोबाइल चौकी प्रभारी कछवाँ रोड उ०नि० गणेश प्रसाद पटेल ने समय करीब 23.30 बजे बताया कि दो पक्षो में किसी बात को लेकर ग्राम बिडड़ा पावर हाउस में विवाद हो गया है तथा आपस में मार पीट कर रहे है पुलिस बल की आवश्यकता है। इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक उच्चधिकारीगणो को अवगत कराते हुए पुलिस बल की मांग करते हुए अण्डर पास कछवाँ रोड से चलकर ग्राम बिडड़ा पहुँचा तो देखा कि स्थिति बहुत ही तनावपूर्ण है जरिये आरटी सेट / मोबाइल कन्ट्रोल रुम से अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की कुछ समय बाद प्रभारी निरीक्षक कपसेठी मय पुलिस बल के उपस्थित आये।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: जंगल के रास्ते गोवंश तस्करी की कोशिश नाकाम, एक आरोपी गिरफ्तार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत बभनी पुलिस को उस समय बड़ी सफलता हाथ लगी, जब टीम ने घेराबंदी कर पशुओं के प्रति क्रूरता कर रहे तस्करों को रंगे हाथ पकड़ने का प्रयास किया। पुलिस की सक्रियता देख एक आरोपी तो चकमा देकर भाग निकला, लेकिन मुख्य आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति गोवंशों को निर्दयतापूर्वक जंगल के रास्ते ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही चकबगदरिसानी तिराहे के पास घेराबंदी की गई। पुलिस को देखते ही बाइक सवार दो व्यक्ति अपनी

मोटरसाइकिल छोड़कर जंगल की ओर भागने लगे। वे 02 बैल, 01 गाय और 01 बछिया को लाठियों से पीटते हुए और दौड़ाते हुए ले जा रहे थे। पुलिस ने पीछा कर एक आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बाबूलाल अगरिया (उम्र 51 वर्ष), निवासी ग्राम चकबगदरिसानी, थाना बभनी के रूप मे हुई है वही मौके से 4 गोवंश और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में निम्न अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे दिन्नू प्रसाद यादव प्रभारी निरीक्षक शिवमूरत यादव उप निरीक्षक प्रदीप सिंह हेड कांस्टेबल रामआशीष यादव हेड कांस्टेबल।

रियल एस्टेट सेक्टर के लिए फायदेमंद होगा यह बजट: अनुज डीडवानिया

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार को अपना दसवां बजट पेश किया, जिसका आकार 9.12 लाख करोड़ रुपये है। यह बजट जन-आकांक्षाओं, सुशासन और समावेशी विकास के एजेंडे को केंद्र में रखकर बनाया गया है।

बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन के साथ महिला व युवा सशक्तीकरण को प्राथमिकता दी गई है।

रियल स्टेट उद्यम की तरफ से हम इस बजट का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह बजट उत्तर प्रदेश के विकास को नई गति देगा। बजट में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो रियल एस्टेट सेक्टर के लिए फायदेमंद होगा। हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि रियल एस्टेट सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए और अधिक कदम उठाए जाएं, जैसे कि घर खरीदने वालों के लिए ब्याज दरों में छूट और रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए आसान ऋण उपलब्ध कराना।

उत्तर प्रदेश सरकार के बजट का स्वागत करते हुए, हम उम्मीद करते हैं कि यह बजट राज्य के विकास को नई गति देगा। रियल एस्टेट सेक्टर के लिए बजट में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो हमारे लिए फायदेमंद होगा। हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि रियल एस्टेट सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए और अधिक कदम उठाए जाएं।

अग्रवाल मित्र मंडल ने विधायक विनय वर्मा की स्वर्गीय माता को श्रद्धांजलि अर्पित की

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर-27 स्थित नोएडा क्लब में सिद्धार्थनगर जिले के शोहरतगढ़ से विधायक विनय वर्मा एवं पूर्वांचल मोर्चा नोएडा महानगर के अध्यक्ष हरीश वर्मा की माता स्वर्गीय राजमती देवी की सोलहवीं संस्कार एवं ब्रह्मभोज कार्यक्रम में अग्रवाल मित्र मंडल के पदाधिकारीयों ने उपस्थित होकर दिवंगत पुण्यात्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दुःख की घड़ी में शोकाकुल परिवार से भेंट कर गहरी संवेदना व्यक्त कीं गयी और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की गयी।

इस अवसर पर अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनुज गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार गोयल, राजेंद्र जैन, अशोक गोयल, सुरेश गुप्ता, मीडिया प्रभारी एवं भाजपा युवा मोर्चा नोएडा के जिला महामंत्री तुषार गोयल उपस्थित रहे।

बजट उत्तर प्रदेश को विकास के शिखर पर पहुंचाने का काम करेगा: सरदार बलप्रात सिंह

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गाजियाबाद। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के महानगर अध्यक्ष सरदार बलप्रीत सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली भाजपा सरकार ने बुधवार को अपना 10वां बजट पेश किया। यह उत्तर प्रदेश को विकास के शिखर पर पहुंचाने वाला बजट साबित होगा। इस बजट में समाज के हर वर्ब का पूरा ध्यान रखा गया है। बजट में महिलाओं, युवाओं, किसानों पर विशेष फोकस किया गया है। सरदार बलप्रीत सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में 9 लाख 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया, जो प्रदेश का अभी तक का सबसे बडा बजट है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार का बजट 12 प्रतिशत अधिक है। यह

बजट पाकिस्तान के बजट से भी अधिक बडा बजट है। उत्तर प्रदेश की आबादी करीब 25 करोड़ है और इतनी ही आबादी पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की भी है, लेकिन उत्तर प्रदेश का बजट पाकिस्तान से करीब डेढ़ गुना है। वित्त वर्ष 2025-26 में पाकिस्तान का बजट भारतीय रुपयों में 5.65 लाख करोड़ था, जबकि यूपी का बजट 9 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है। यूपी का बजट पाकिस्तान ही नहीं, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के बजट से कहीं अधिक है। सरदार बलप्रीत सिंह ने कहा कि बजट का 12 प्रतिशत शिक्षा व 6 प्रतिशत चिकित्सा पर खर्च होगा। 43,565 करोड़ से अधिक की धनराशि नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित की गई है। साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट के जरिए रोजगार सृजन करने प्लानिंग भी है, जिससे प्रदेश के युवाओं को लाभ मिलेगा।

परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों और संविदा कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए 358 करोड़ का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विकास की योजनाओं के लिए 27103 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्ष 2025-2026 की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री औद्योगिक क्षेत्र विस्तारीकरण और नए औद्योगिक क्षेत्र प्रोत्साहन योजना के लिए 5000 करोड़ रुपए की व्यवस्था पकी गई है। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना में टैबलेट-स्मार्ट फोन के वितरणके लिए 2374 करोड़ रुपये की व्यवस्था है। अटल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के लिए 2000 करोड़ रुपये दिए गए हैं। फॉरेन डाइरेक्ट इंवेस्टमेंट एवं फॉर्च्यून.500 कम्पनियों के निवेश के लिए घोषित प्रोत्साहन नीति.2023 के लिए 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गइ है तो डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर परियोजना में अब तक 200 रक्षा उद्योगों की स्थापना के लिए एमओयू साइन किये गये हैंए जिसमें 35280 करोड़ का निवेश होगा 53263 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। कुल मिलाकर यह एक ऐसा बजट है, उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे विश्व में अलग पहचान दिलाने का काम करेगा।

गाजियाबाद में ओवरलोडिंग पर बड़ी कार्रवाई, 24 वाहन सीज

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शों के तहत परिवहन विभाग, गाजियाबाद द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। 10/11 फरवरी 2026 को मुख्य मार्गों, राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों पर सघन वाहन चेकिंग के दौरान निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर चल रहे 24 ओवरलोड वाहनों को मौके पर सीज किया गया। वाहन स्वामियों व चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई भी की गई। विभाग ने ओवरलोडिंग के विरुद्ध शून्य सहनशीलता नीति अपनाने की बात कही है।

भाजपा कार्यालय पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ आयोजित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। भाजपा जिला कार्यालय सेक्टर-116 में महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर समर्पण दिवस कार्यक्रम श्रद्धा एवं सम्मान के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री चंद्र मोहन सिंह एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। प्रदेश मंत्री चंद्र मोहन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा और संगठन निर्माण को समर्पित रहा। उन्होंने अंत्योदय का जो सिद्धांत दिया, वह भारतीय राजनीति में सेवा और समर्पण का मार्गदर्शक बना। उन्होंने कहा कि सरकार की हर योजना का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही सच्ची श्रद्धांजलि है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार उसी विचारधारा पर कार्य कर रही है।

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद आज भी प्रासंगिक है। उनकी सोच ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश आज देश की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। प्रदेश में विकास, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, विदेशी निवेश, एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन हम सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने संगठन को परिवार मानकर कार्य करने की परंपरा स्थापित की और राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि अंत्योदय का विचार भाजपा की कार्यसंस्कृति का मूल है। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सच्चा सुशासन है। कार्यक्रम में उमेश त्यागी, डिंपल आनंद, गणेश जाटव, महेश अवाना, विनोद शर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, भूपेश चौधरी, अर्पित मिश्रा, रामकिशन यादव, शशिधर उपाध्याय, नीरज चौधरी, प्रदीप चौहान, मनीष तिवारी, दीनबंधु कुमार, सत्यनारायण महावर, प्रज्ञा पाठक, राजेंद्र अवाना, अशोक मिश्रा, अमित नागपाल, सुशील अवाना, शारदा चतुवेर्दी, उमेश पहलवान, मनोज चौहान, प्रमोद बहल इत्यादि पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्क्रेप सेंटर पर चोरी के वाहन काटते आठ व्यक्ति गिरफ्तार

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड़ के आदेश पर चलाए जा रहे अवैध कार्य के खिलाफ अभियान के अंतर्गत डीसीपी नगर धवल जायसवाल के निर्देशन में एसीपी कविनगर और एसीपी सिहानीगेट के नेतृत्व में थाना सिहानीगेट पुलिस टीम द्वारा सात चोरी की स्कूटी व एक चोरी की स्कूटी की नम्बर प्लेट बरामद की गई है। इस मामले में आठ आरोपियों को भी गिरफ्तार कर अवैध कटान करने वाले स्क्रैप सेंटर पर प्रभावी कार्यवाही की गई है। एसीपी सूर्यबली मौर्य एवं एसीपी जियाउद्दीन ने सयुंक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस कमिश्नर के आदेश के क्रम में वाहन चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में थाना सिहानी गेट एवं थाना मधुबन बापूधाम पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से सात चोरी की स्कूटी एवं एक चोरी की नम्बर प्लेट बरामद की गई है। बुधवार को वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर स्टार ऑटो स्क्रैपिंग इंडिया प्रा.लि., दुहाई में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मौके से तीन चोरी की स्कूटियाँ एवं एक चोरी की नम्बर प्लेट बरामद की गई। पूछताछ एवं निशानदेही के आधार पर 16 मंजिला बिल्डिंग के पास से चार अन्य चोरी की स्कूटियाँ बरामद की गई। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में अपने नाम नवाब मलिक पुत्र अजीज मलिक नि0 394/1 घाटी रोड, थाना आनन्द पर्वत, दिल्ली, रियाजुद्दीन पुत्र सफी मोहम्मद, नि0 अमन कॉलोनी, थाना कोतवाली, नरेश कुमार पुत्र पंकज कुमार नि0 बमहैटा, सुनील पुत्र चरन सिंह नि0 बम्हैटा, नदीम पुत्र कलुआ नि0 बमहैटा, कृष्णा पुत्र स्व0 भगवान सिंह नि0 बमहैटा, सगीर पुत्र स्व0 नूर मोहम्मद नि0 रजापुर,फजलू उर्फ फजल मोहम्मद पुत्र मेहरबान नि0 ग्राम नहाल बताया है। इनके फरार साथियो की तलाश की जा रही है।

डॉ मंजीत दहिया पत्रकार जन सेवा फाउंडेशन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

पत्रकार जन सेवा फाउंडेशन के ब्रांच कार्यालय का हुआ उद्घाटन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। पत्रकार जन सेवा फाउंडेशन द्वारा नोएडा के सोरखा गांव सेक्टर 115 में शाखा कार्यालय का भव्य उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विशाल तोमर, मुख्य संरक्षक एम एस तोमर ने डॉ मंजीत दहिया को पत्रकार जन सेवा फाउंडेशन का प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा नियुक्त किया। उन्हें माला पहनकर सम्मानित किया गया तथा संस्था का परिचय पत्र एवं नियुक्ति पत्र दिया गया। डॉ मंजीत दहिया पिछले लगभग 35 वर्षों से पत्रकारिता जगत में कार्य कर रहे हैं। वही अर्चना पांडेय को प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ का नियुक्ति पत्र दिया गया। वह लम्बे समय से शिक्षा के माध्यम से सैकड़ों बच्चो के भविष्य संवार रही है। जिला मैनपुरी से जिला अध्यक्ष की जिम्मेदरी मनोज शर्मा को दी गयी है। संस्था के अध्यक्ष विशाल तोमर ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि हमारी संस्था के ब्रांच आफिस का शुभारंभ सभी रीति रिवाजों के साथ हवन करके किया गया तथा इसके उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया की पत्रकार जन सेवा फॉउंडेशन निरंतर शिक्षा व

स्वास्थ्य के ऊपर कार्य कर रहा है तथा हर सप्ताह स्वास्थ्य कैम्प व निशुल्क स्लम बस्तियों मे भोजन वितरण कर रहा है। पढ़ेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया मुहिम को आगे बढ़ाते हुए सरकारी व प्राइवेट स्कूलों मे सामंजस बनाकर कार्य करेगा जिसकी पूरी योजना बनाई गयी हैं। साथ उन्होंने कहा की संस्था हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। इस कार्यक्रम मे संस्था के अध्यक्ष विशाल तोमर, मामराज तोमर, प्रवेश कुमार, पुराण प्रवक्ता नर्मदा भक्त आचार्य श्री हरि जी महाराज श्री धाम वृन्दावन, प्रदेश मंत्री विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ट उत्तर प्रदेश शैलेन्द्र सिंह राघव, डॉ मंजीत दहिया, प्रभाकर दुबे, रबिन्द्र कुमार, सुनील अवाना, परमजीत नागर, रत्नेश दिक्षित, धीरेन्द्र अवाना, प्रदीप मिश्रा, राजा मौर्य, कुलदीप यादव आदि उपस्थित रहे ।

योगी सरकार ने पेश किया 9.13 लाख करोड़ का बजट

प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट

2025-26 की तुलना में आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के आवंटन में 76 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी

योगी सरकार की प्राथमिकता में किसान, कृषि योजनाओं के लिए 10,888 करोड़ रुपये

महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड और उत्पाद विपणन योजना से आधी आबादी होगी और सशक्त

9 वर्षों में तीन गुना बढ़ा प्रदेश का बजट, यूपी बना अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट: मुख्यमंत्री

एसटीईएम और कौशल विकास को एआई मिशन से मिलेगी मजबूती

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बुधवार को विधानसभा में योगी सरकार का वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया। 'नव निर्माण के नौ वर्ष' की थीम पर प्रस्तुत बजट 2026-27 का कुल आकार 9,12,696.35 करोड़ रुपये है, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 की तुलना में लगभग 12.9 प्रतिशत अधिक है। आकार के लिहाज से योगी सरकार ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत किया है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन को बताया कि यह बजट राज्य की बढ़ती आर्थिक क्षमता, निवेश के अनुकूल माहौल और सुदृढ़ राजकोषीय प्रबंधन का परिणाम है। यह बजट न केवल राज्य की आर्थिक मजबूती को दर्शाता है, बल्कि दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सतत विकास की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है। बजट 2026-27 सरकार की उस सोच को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें विकास, वित्तीय अनुशासन और भविष्य की तैयारी तीनों को समान महत्व दिया गया है। इस बजट में अन्नदाता किसान, युवा, महिला, छात्र-छात्राओं समेत हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि को प्राथमिकता

वित्त मंत्री ने बताया कि बजट में 19.5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है, जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी-ग्रामीण अधोसंरचना को नई गति देगा। पूंजीगत निवेश से रोजगार सृजन होगा और आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। योगी सरकार ने सामाजिक क्षेत्रों को बजट में प्रमुख स्थान दिया है। इसके अंतर्गत शिक्षा के लिए कुल बजट का 12.4 प्रतिशत, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के लिए 6 प्रतिशत और कृषि एवं सम्बद्ध सेवाओं के लिए 9 प्रतिशत का आवंटन किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार मानव संसाधन विकास और किसानों की आय बढ़ाने को विकास की धुरी मानकर चल रही है।

डीजल से सोलर की ओर बड़ा कदम

बजट में विशेष रूप से कृषि विभाग के अंतर्गत डीजल पंप सेट को सोलर पंप में परिवर्तित करने की महत्वाकांक्षी योजना के लिए 637.84 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों की डीजल पर निर्भरता कम होगी, लागत घटेगी और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम कृषि क्षेत्र में हरित ऊर्जा संक्रमण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत की सीमा में

उन्होंने बताया कि 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटे की सीमा 3 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जो वर्ष 2030-31 तक लागू रहेगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि वह राजकोषीय अनुशासन से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा 1,18,480.59 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो राज्य के अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 2.98 प्रतिशत है। यह 3 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के भीतर है और वित्तीय अनुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। समग्र परिप्रेक्ष्य में, बजट 2026-27 में एक ओर जहां विकासोन्मुख नई योजनाओं का विस्तार है, वहीं दूसरी ओर राजस्व बचत और नियंत्रित राजकोषीय घाटे के माध्यम से वित्तीय स्थिरता बनाए रखने का स्पष्ट प्रयास किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष और एफपीओ को मजबूती

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किए जाने के मद्देनजर सरकार ने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए रिवॉल्विंग फंड योजना के अंतर्गत 150 करोड़ रुपये का कोष नाबार्ड की सहभागी संस्था 'नैब किसान' के साथ मिलकर स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसमें सरकार 75 करोड़ रुपये का अंशदान देगी। प्रत्येक पात्र एफपीओ को अधिकतम 50 लाख रुपये तक की ऋण सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, यूपी एग्रीज के अंतर्गत प्रदेश में एग्री एक्सपोर्ट हब की स्थापना के लिए 245 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना और किसानों को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत 38 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। साथ ही प्रदेश में 2 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी, जिसके लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, बजट में स्वच्छताकर्मियों को बड़ा तोहफा देते हुए उनके अकाउंट में सीधे 16 से 20 हजार रुपये भेजने का भी प्राविधान किया गया है। इसके लिए सारी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। जल्द ही स्कीम का फायदा स्वच्छताकर्मियों को मिलेगा।

शिक्षकों और कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा

बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के कार्मिकों तथा पीएम पोषण योजना की रसोइयों एवं उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के लिए 357.84 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए 89.25 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

प्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निशुल्क सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराने के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे स्वास्थ्य, स्वच्छता और स्कूल उपस्थिति में सुधार की उम्मीद है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एआई प्रमाणन शुल्क प्रतिपूर्ति योजना हेतु 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत मेधावी छात्रों के शिक्षा ऋण पर अतिरिक्त ब्याज सब्सिडी के लिए 30 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं।

एमएसएमई और रोजगार को बढ़ावा

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के तहत सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉइमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की स्थापना के लिए 575 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना के लिए 75 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जिससे स्थानीय खाद्य उत्पादों को पहचान और बाजार मिलेगा। इसके साथ ही, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अंतर्गत इंटरनेशनल फिल्म सिटी परियोजना को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे प्रदेश में फिल्म उद्योग और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

यूपी एआई मिशन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के तहत 'उत्तर प्रदेश एआई मिशन' (यूपीएआई मिशन) शुरू किया जाएगा, जिसके अंतर्गत अगले तीन वर्षों में लगभग 2000 करोड़ रुपये के कार्यक्रम चरणबद्ध रूप से लागू किए जाएंगे।

इसके लिए 225 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। स्टेट डाटा सेंटर 2.0 के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके साथ नियोजन विभाग के अंतर्गत स्टेट डाटा अथॉरिटी की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए

बजट का आकार और तुलना

कुल बजट आकार :	9 लाख 12 हजार 696 करोड़ 35 लाख रुपये
कुल प्राप्तियां :	8.48 लाख करोड़
राजस्व प्राप्तियां :	7.29 लाख करोड़
कुल व्यय :	9.13 लाख करोड़
राजस्व व्यय :	6.64 लाख करोड़
पूंजीगत व्यय :	2.48 लाख करोड़

योगी सरकार की प्राथमिकता में किसान, कृषि योजनाओं के लिए 10,888 करोड़ रुपये

योगी सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं, महिलाओं और श्रमिकों का सशक्तिकरण, रोजगार के अवसर सृजित करना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार ने अपनी बात को सार्थक करते हुए बजट में कृषि योजनाओं पर जोर दिया। इस बजट में कृषि योजनाओं के लिये 10,888 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। बजट में पशुधन, मत्स्य, खाद्य-रसद, उद्यान विभाग के लिए भी बजट में बड़ी धनराशि की व्यवस्था की है। सदन में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बजट 2026-27 में कृषि योजनाओं के लिये लगभग 10,888 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, यह वर्ष 2025-2026 के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक है। खन्ना ने बताया कि वर्ष 2026-2027 में 753.55 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन एवं 48.18 लाख मीट्रिक टन तिलहन उत्पादन का लक्ष्य है। एक्वाब्रिज द्वारा प्रस्तावित यूपीएग्रीज परियोजना में एक्वा कल्चर आधारभूत संरचना के तहत विश्वस्तरीय हैचरी तथा विश्वस्तरीय ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना की बा' सहायतित परियोजना के लिये 155 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। यूपीएग्रीज परियोजना के अन्तर्गत एग्रीएक्सपोर्ट हब की स्थापना के लिये 245 करोड़ रुपये तथा किसान उत्पादक संगठनों हेतु रिवाल्विंग फण्ड योजना के लिये 75 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कृषकों के डीजल पंप सेट को सोलर पंप में परिवर्तित करने की योजना के लिए 637 करोड़ 84 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फॉर्मिंग योजना सभी जनपदों के 94,300 हेक्टेयर में संचालित है। इस योजना के लिए बजट में 298 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

बोटलनेक टू ब्रेक थ्रू : यूपी ने तकनीकी महाशक्ति बनने की दिशा में बढ़ाया निर्णायक कदम

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर पर बड़ा भरोसा जताया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने इस क्षेत्र के लिए 2059 करोड़ रुपये का आवंटन प्रस्तावित किया गया है, जो वर्ष 2025-26 की तुलना में 76 प्रतिशत की भारी भरकम वृद्धि की गई है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि उत्तर प्रदेश को डिजिटल अर्थव्यवस्था और उन्नत तकनीक का अग्रणी केंद्र बनाया जाएगा। बजट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को विशेष प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश में उत्तर प्रदेश एआई मिशन की शुरूआत की जा रही है, जिसके लिए 225 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही इंडिया एआई मिशन के तहत प्रदेश की 49 आईटीआई में एआई लैब स्थापित की जाएंगी। प्रदेश में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और इंडिया एआई डाटा लैब्स की स्थापना के लिए 32 करोड़ 82 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है। सरकार का लक्ष्य युवाओं को भविष्य की तकनीक से जोड़ते हुए रोजगार के नए अवसर तैयार करना है। साइबर सुरक्षा को भी बजट में अहम स्थान मिला है। साइबर सुरक्षा संचालन केंद्र की स्थापना के लिए 95 करोड़ 16 लाख रुपये की नई योजना प्रस्तावित की गई है। डिजिटल विस्तार के साथ बढ़ते साइबर खतरों को देखते हुए इसे रणनीतिक कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एआई प्रज्ञा कार्यक्रम पहले ही शुरू किया जा चुका है। इस पहल में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, इंटेल, आईबीएम और वन एम वन बी जैसी वैश्विक कंपनियां प्रदेश सरकार के साथ मिलकर एआई प्रशिक्षण दे रही हैं।

किसानों, स्वयं सहायता समूहों, विद्यार्थियों, डॉक्टरों तथा राजकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य एआई तकनीक को जमीनी स्तर तक उतरना है। डाटा सेंटर के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में 30,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से 8 डाटा सेंटर पार्क स्थापित करने और 900 मेगावाट क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 8 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए जा चुके हैं, जिनमें 6 डाटा सेंटर पार्क और 2 डाटा सेंटर इकाइयां शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 21,342 करोड़ रुपये का निवेश और 644 मेगावाट क्षमता अर्जित की जा चुकी है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में भी प्रदेश की स्थिति मजबूत बनी हुई है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन चुका है। देश के कुल मोबाइल फोन उत्पादन का 65 प्रतिशत उत्पादन प्रदेश में होता है। भारत की 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स इकाइयां भी उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। प्रदेश का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात बढ़कर 44,744 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उद्योग और तकनीक में बढ़ते निवेश तथा नवाचार को प्रोत्साहन देने की नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर का दर्जा प्राप्त हुआ है। बजट में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र पर 76 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी को प्रदेश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देने की दिशा में निर्णायक कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निवेश उत्तर प्रदेश को तकनीक आधारित विकास मॉडल की ओर तेजी से अग्रसर करेगा।

नई योजनाओं की भरमार

- सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन
- बायोप्लास्टिक औद्योगिक नीति-2024
- वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति

कृषि एवं किसान

- मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना
- महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना
- पशुधन बीमा एवं जोखिम प्रबंधन योजना
- सहकारी चीनी मिलों का आधुनिकीकरण

शिक्षा एवं कौशल

- ड्रीम स्किल लैब
- नए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय
- छात्राओं हेतु प्रत्येक जनपद में छात्रावास
- टेक युवा-समर्थ युवा योजना

स्वास्थ्य

- चार सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (पीपीपी मोड)
- ट्रॉमा सेंटर लेवल-2
- चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास

आईटी व एआई

- उत्तर प्रदेश एआई मिशन
- स्टेट डेटा सेंटर
- डेटा सेंटर क्लस्टर
- यू-हब की स्थापना

'ग्रीन' और 'पिंक' बजट पर फोकस

- ग्रीन बजट टैगिंग 23.5% तक बढ़ाई गई।
- 242 करोड़ से अधिक पौधारोपण, 1 गीगावाट से अधिक सोलर क्षमता।
- मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण।

विभागीय आवंटन में प्राथमिकताएं

- सबसे अधिक आवंटन प्राथमिक शिक्षा (80,997 करोड़), ऊर्जा (65,926 करोड़), गृह (44,145 करोड़) और लोक निर्माण विभाग (33,740 करोड़) को मिला है।

बुनियादी ढांचा और निवेश

- 7 संचालित एयरपोर्ट, जेवर एयरपोर्ट शीघ्र शुरू
- 16,000+ स्टार्टअप, 8 यूनिकॉर्न
- 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रस्ताव

पर्यटन और धार्मिक अर्थव्यवस्था

- महाकुंभ 2025 में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु
- 234 गांव पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित
- लखनऊ 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी'

9 वर्षों में तीन गुना बढ़ा प्रदेश का बजट, यूपी बना अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों को विस्तार से बताई बजट की विशेषताएं

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा के सभागार में पत्रकारों को संबोधित करते हुए वर्ष 2026-27 के बजट की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले 9 वर्षों के दौरान अपना परसेप्शन बदलने में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश ने इस दौरान पॉलिसी पैरालिसिस से उभर कर परसेप्शन को बदलकर खुद को अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट के रूप में प्रस्तुत किया है, आज का यह बजट उन्हीं भावों का प्रतिनिधित्व करता है। प्रदेश का यह बजट 9 वर्षों में तीन गुना से अधिक बढ़ा है। आज 9,12,000 करोड़ रुपये से अधिक का बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया गया। बजट की थीम सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान और हर

हाथ को काम, तकनीकी निवेश से समृद्ध होते उत्तर प्रदेश पर आधारित है।

प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 43,565 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि नई योजनाओं के लिए बजट में प्रस्तावित की गई हैं। वहीं 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए आंवटित की गई है। परिसंपत्तियों के नवनिर्माण, इन्फ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट और अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यहीं से रोजगार का सृजन होता है। यह प्रदेश में पहली बार है, जब किसी मुख्यमंत्री को 10वां बजट प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ। पिछले 9 वर्षों में कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया गया है। इसके साथ ही यूपी में जो कर चोरी और लीकेज थे, इन सबको रोक कर कुशल वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से बीमारू राज्य से उत्तर प्रदेश को भारत की अर्थव्यवस्था का एक ब्रेकथ्रू के रूप में प्रस्तुत किया गया है। आज उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। वर्ष 2017 में 30 फीसदी से अधिक राज्य में ऋणग्रस्तता थी। हम लोगों ने इसे घटाकर पिछले दो-तीन वर्षों में 27 फीसदी लाने में सफलता प्राप्त की। इस वित्तीय वर्ष में इसे 23 फीसदी तक लाने का लक्ष्य है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार किसी भी राज्य की जो कुल जीएसडीपी होगी, उस पर 30 फीसदी से अधिक ऋण नहीं होना चाहिए। आज उत्तर प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल है, जिन्होंने अपने वित्तीय प्रबंधन को एफआरबीएम की निर्धारित सीमा के अधीन रखा है। यह हमारा कुशल वित्तीय अनुशासन है। कोई नया टैक्स लगाए बिना प्रदेश ने जन-कल्याण व इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्कीम के साथ प्रत्येक सेक्टर में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। आज उत्तर प्रदेश देश की टॉप तीन इकॉनमी में से एक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम लोगों ने प्रदेश में अनइंप्लॉयमेंट रेट को 2.24 प्रतिशत तक नीचे लाने में सफलता प्राप्त की है। वर्ष 2017 के पहले यह लगभग 17 से 19 फीसदी तक था।

आज यूपी की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में रैंकिंग दूसरे स्थान पर, प्रदेश ने खुद को चीफ अचीवर स्टेट के रूप में किया स्थापित

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में सिटी इकॉनमिक जोन, एससीआर, काशी-मीरजापुर इकॉनमिक जोन, प्रयागराज-चित्रकूट इकॉनमिक जोन, कानपुर-झांसी इकॉनमिक जोन को विकसित करने का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2017 में यूपी की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में रैंकिंग 13-14 पर थी। आज नंबर दो पर है। इसके बाद यूपी ने चीफ अचीवर स्टेट के रूप में खुद को स्थापित किया। प्रदेश में डिजिटल आन्त्रोप्रेन्योरशिप योजना को आगे बढ़ाने के लिए बजट में व्यवस्था की गयी है। इन सभी सफलता को प्राप्त करने में रूल ऑफ लॉ की बड़ी भूमिका है, यही रियल ग्रोथ है। हर व्यक्ति सुरक्षा की गारंटी चाहता है और वह गारंटी आज यूपी दे रहा है। पहले यूपी में कोई नहीं सोच सकता था कि 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आएंगे। यूपी का एमएसएमई सेक्टर जो पहले मृत हो गया था, आज उसने 3 करोड़ से अधिक नौजवानों को नौकरी दी है। प्रदेश के अन्नदाताओं को उद्यमी बनाने के लिए नए प्रयास किये जा रहे हैं। विकास की यात्रा में प्रदेश का अन्नदाता भी सक्रिय साझेदार बने, इस दृष्टि से कृषि को इनकम बेस्ड और वैल्यू एडिशन मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। प्रदेश में सिंचाई की क्षमता का विस्तार किया गया है। प्रदेश में 16 लाख ट्यूबवेल का इलेक्ट्रिफिकेशन किया गया है। वहीं 23 लाख से अधिक डीजल से संचालित ट्यूबवेल को सोलर से जोड़ने के लिए बजट में घोषणा की गई है। इसके साथ पीएम कुसुम योजना को भी जोड़ा जाएगा। इसमें अनुसूचित जाति-जनजाति, महिला और लघु सीमांत किसानों को 90 फीसदी अनुदान और अन्य किसानों के लिए 80 फीसदी सब्सिडी की घोषणा की गई है।